दैनिक देवव्रत
www.dainikdevvrat.in
आजमगढ़, उ.प्र.
वर्ष 36, अंक 268
पृष्ठ 08, मूल्य 3.00
26 जून 2026, शुक्रवार
लखनऊ, नई दिल्ली, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र (राबर्ट्सगंज, अनपरा, शक्तिनगर), सिंगरौली, मिर्जापुर, अयोध्या, गोरखपुर, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, मऊ, अम्बेडकरनगर एवं आजमगढ़ से प्रसारित
E-mail : dainikdevvrat@gmail.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

'डबलेट' भूकंप से वेनेजुएला तबाह

भीषण मानवीय संकट, लाखों के मरने की आशंका

अब तक 164 मौतों की पुष्टि, सुनामी का अलर्ट

कराकस, 25 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए दो शक्तिशाली भूकंपों ने अभूतपूर्व तबाही मचा दी है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार महज 38 सेकंड के अंतराल पर आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भीषण भूकंपों ने राजधानी काराकस समेत देश के बड़े हिस्से को हिला दिया। आधिकारिक तौर पर अब तक 164 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है, जबकि हजारों लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका के बीच मृतकों की संख्या कई हजार से लेकर एक लाख तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। पूरे देश में आपातकालीन स्थिति जैसी परिस्थितियां बनी हुई हैं और बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है।

भूकंप के झटकों ने राजधानी काराकस तथा तटीय क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। अनेक बहुमंजिला इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, सड़कें फट गई हैं और संचार व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। तटीय इलाकों के लिए सुनामी अलर्ट जारी किया गया है, जिससे लाखों लोगों के बीच दहशत का माहौल है। प्रभावित क्षेत्रों में बिजली और पानी की आपूर्ति भी बाधित होने की खबरें हैं।

यूएसजीएस ने बताया कि यह सामान्य भूकंप नहीं बल्कि डबलेट भूकंप (Doublet Earthquake) की घटना है, जिसमें लगभग समान तीव्रता के दो बड़े भूकंप बेहद कम समय के अंतराल पर आते हैं। पहला झटका 7.2 तीव्रता का था और उसके मात्र 38 सेकंड बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया। वैज्ञानिकों का मानना है कि पहले भूकंप ने भूगर्भीय दबाव को इस प्रकार प्रभावित किया कि दूसरा और अधिक शक्तिशाली भूकंप सक्रिय हो गया। विशेषज्ञ इसे अत्यंत दुर्लभ और विनाशकारी भूगर्भीय घटना बता रहे हैं। कार्यवाहक राष्ट्रपति ने मृतकों की संख्या 164 होने की पुष्टि की है, लेकिन राहत एजेंसियों का कहना है कि यह आंकड़ा लगातार बढ़ सकता है। कई शहरों और कस्बों से अभी भी संपर्क नहीं हो सका है, जिसके कारण वास्तविक क्षति का आकलन नहीं हो पाया है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं और अस्थायी राहत शिविरों में शरण लेने को मजबूर हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी तेजी से मदद पहुंचानी शुरू कर दी है। विभिन्न देशों की आपदा राहत टीमें, चिकित्सा दल और खोजी अभियान इकाइयां वेनेजुएला पहुंच रही हैं। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए भारी मशीनों और अत्याधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है। राहतकर्मियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे और लगातार आ रहे आफ्टरशॉक्स हैं।

इस आपदा के बीच एक दिलचस्प तथ्य भी सामने आया है। लाखों एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं को गूगल के भूकंप चेतावनी सिस्टम के माध्यम से भूकंप आने से कुछ सेकंड पहले अलर्ट प्राप्त हुआ था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह तकनीक भूकंप की भविष्यवाणी नहीं करती, बल्कि धरती के शुरुआती कंपन को पहचानकर प्रभावित क्षेत्र के लोगों को तत्काल चेतावनी भेजती है। इससे कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने का समय मिला, हालांकि इतनी तीव्रता वाले भूकंप के सामने नुकसान को पूरी तरह रोक पाना संभव नहीं था।

भूकंप के बाद देश में इंटरनेट प्रतिबंधों को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। रिपोर्टों के अनुसार अगस्त 2024 से प्रतिबंधित सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व ट्विटर) की सेवाएं कई इंटरनेट सेवा प्रदाताओं द्वारा पुनः बहाल कर दी गई हैं, जिससे लोग आपदा से जुड़ी सूचनाएं साझा कर पा रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। वेनेजुएला के इतिहास की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में शामिल इस त्रासदी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। राहत और बचाव कार्यों के बीच दुनिया की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि मलबे में दबे लोगों को कितनी तेजी से बचाया जा सकता है और अंतिम रूप से जनहानि का आंकड़ा कितना भयावह साबित होता है।

मेरी राय

हादसे के बाद बुलडोजर क्यों? जवाबदेही केवल इमारतों की नहीं, व्यवस्था और सत्ता की भी तय हो!

❑ विजय कुमार देवव्रत

लखनऊ में अग्निकांड में 15 मासूम बच्चों की मौत ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि शासन, प्रशासन और नियामक व्यवस्था की विफलता का भयावह दस्तावेज है। हादसे के बाद जिस तेजी से संबंधित भवन पर बुलडोजर चलाया गया, उससे एक बड़ा सवाल खड़ा होता है। क्या प्रशासन की जिम्मेदारी केवल हादसे के बाद मलबा हटाने तक सीमित है? यदि भवन अवैध था, यदि उसका नक्शा स्वीकृत नहीं था, यदि अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था, यदि निर्माण नियमों की अनदेखी हुई थी, तो यह सब एक दिन में नहीं हुआ होगा। इमारत धीरे–धीरे बनी होगी, निर्माण सामग्री आई होगी, मंजिलें खड़ी हुई होंगी और संस्थान संचालित होता रहा होगा। तब संबंधित विभागों के अधिकारी क्या कर रहे थे? क्या नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और अन्य नियामक एजेंसियों को इसकी जानकारी नहीं थी? या फिर जानकारी होने के बावजूद आंखें मूंद ली गई थीं?

हमारे यहां एक खतरनाक प्रवृत्ति विकसित हो गई है। जब तक कोई हादसा नहीं होता, तब तक नियम–कानून कागजों में कैद रहते हैं। जैसे ही कोई बड़ी दुर्घटना होती है, प्रशासन सक्रियता का प्रदर्शन करता है। बुलडोजर चलता है, जांच समितियां बनती हैं, निलंबन होते हैं और कुछ दिनों तक बयानबाजी चलती है। लेकिन असली सवाल वहीं का वहीं रह जाता है कि जिस व्यवस्था की नाक के नीचे यह सब हुआ, उसकी जवाबदेही कब तय होगी?

किसी भी अवैध निर्माण की जिम्मेदारी केवल भवन मालिक की नहीं हो सकती। यदि कोई व्यक्ति नियमों को तोड़कर निर्माण करता है तो उसे रोकना प्रशासन का दायित्व है। यदि प्रशासन रोकने में विफल रहता है, तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि अपने कर्तव्य से विमुख होना है। दुर्भाग्य यह है कि अधिकांश मामलों में भवन मालिक चर्चा में आ जाता है, लेकिन उन अधिकारियों के नाम तक सार्वजनिक नहीं होते जिनकी निगरानी में पूरा खेल चलता रहा।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और चिंताजनक पक्ष सत्ता का व्यवहार है। जब शोकाकुल परिवार अपने बच्चों को खोने के दर्द में टूट चुके हों, तब उनसे संवाद करते समय संवेदनशीलता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि पीड़ित परिवार, विशेषकर कोई मां, अपने आक्रोश और पीड़ा को व्यक्त करना चाहती है तो लोकतांत्रिक व्यवस्था का दायित्व उसकी बात सुनना है, न कि उसकी आवाज को सीमित या नियंत्रित करना। दुःख की घड़ी में सत्ता का पहला धर्म सुनना होता है, समझाना नहीं। इसी तरह, हादसे के तुरंत बाद यदि राजनीतिक नेतृत्व वर्तमान जिम्मेदारियों की चर्चा करने के बजाय पुरानी सरकारों की ओर उंगली उठाने लगे, तो यह जनता के मन में यह प्रश्न पैदा करता है कि क्या जवाबदेही से बचने की कोशिश की जा रही है? कोई भी सरकार चाहे कितने भी वर्षों से सत्ता में हो, जनता उससे वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था का हिसाब मांगती है। दस वर्ष पुरानी घटनाओं और सरकारों का हवाला देकर आज की त्रासदी का बोझ कम नहीं किया जा सकता। यदि कोई व्यवस्था वर्षों से सत्ता में है, तो उसकी जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी होगी।

दुर्घटनाएं राजनीतिक अवसर नहीं होतीं। वे आत्ममंथन का अवसर होती हैं। लेकिन दुर्भाग्य से हमारे सार्वजनिक जीवन में अक्सर त्रासदियों पर भी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा शुरू हो जाती है। सत्ता अपनी जिम्मेदारी कम करके दिखाना चाहती है और विपक्ष अपना राजनीतिक लाभ खोजता है। इस प्रक्रिया में सबसे पीछे छूट जाते हैं वे परिवार, जिनकी दुनिया हमेशा के लिए उजड़ चुकी होती है। यह भी विडंबना है कि हादसे के बाद बुलडोजर को न्याय और कार्रवाई का प्रतीक बना दिया जाता है। जबकि वास्तविक न्याय यह होगा कि उन अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय हो जिन्होंने नियमों के उल्लंघन को पनपने दिया। यदि हर बड़ी दुर्घटना के बाद केवल इमारतें गिराई जाएंगी और व्यवस्था में बैठे जिम्मेदार लोग बचते रहेंगे, तो ऐसी घटनाएं भविष्य में भी दोहराई जाती रहेंगी।

इस त्रासदी का सबसे पीड़ादायक पक्ष यह है कि इसमें 15 मासूम बच्चों की जान चली गई। यह कोई आंकड़ा नहीं है। यह 15 परिवारों की दुनिया का उजड़ जाना है। किसी मां–बाप के लिए अपनी संतान को खोने से बड़ा दुःख शायद ही कोई हो। ऐसे समय में सरकार से जनता केवल मुआवजा नहीं, बल्कि संवेदना, जवाबदेही और न्याय की अपेक्षा करती है। लोकतंत्र में सरकार का दायित्व केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि घटनाओं को होने से रोकना भी है। यदि कोई भवन अवैध था तो उसे हादसे से पहले क्यों नहीं रोका गया? यदि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन हो रहा था तो निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहां थे? यदि संबंधित विभागों ने अपनी जिम्मेदारी निभाई होती तो शायद आज 15 बच्चों की जान बचाई जा सकती थी। इसलिए इस हादसे की जांच केवल आग लगने के कारणों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जांच का दायरा उन प्रशासनिक, संस्थागत और राजनीतिक विफलताओं तक भी पहुंचना चाहिए जिन्होंने इस त्रासदी की जमीन तैयार की। जब तक जिम्मेदारी की श्रृंखला के अंतिम छोर तक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक बुलडोजर केवल मलबा हटाएगा, व्यवस्था की सड़ांध नहीं। लखनऊ की यह त्रासदी हमसे एक ही सवाल पूछ रही है। हादसे के बाद कार्रवाई आसान है, लेकिन हादसे से पहले अपनी जिम्मेदारी निभाने वालों का हिसाब कब होगा? और क्या सत्ता कभी पीड़ितों की आवाज सुनने तथा अपनी जवाबदेही स्वीकार करने का नैतिक साहस दिखाएगी

पासपोर्ट बनवाना हुआ महंगा

❑ 1 जुलाई से नॉर्मल कैटेगरी 2500 और तत्काल में 5000 रूपये देने होंगे

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। विदेश घूमने, पढ़ाई करने या काम के सिलसिले में देश से बाहर जाने की योजना बना रहे लोगों की जेब पर अब अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। केंद्र सरकार ने नया पासपोर्ट बनवाने और पुराने को रिन्यू कराने की फीस में भारी इजाफा कर दिया है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी पासपोर्ट (संशोधन) नियम, 2026श के तहत नई दरें 1 जुलाई, 2026 से पूरे देश में लागू हो जाएंगी। आइए, आसान भाषा में समझते हैं कि आपकी जेब पर इसका कितना असर होने वाला है।

18 वर्ष से अधिक उम्र वालों के लिए अब क्या होगी नई फीस? नए नियमों के अनुसार, 18 साल या उससे अधिक उम्र के वयस्कों के लिए पासपोर्ट सेवाओं की दरों में सीधे तौर पर बदलाव किया गया हैं। 36–पेज का पासपोर्ट– पहले इसके लिए 1,500 रुपये देने होते थे, लेकिन अब नॉर्मल फीस बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दी गई है। वहीं, अगर आप इसे तत्काल सेवा के तहत बनवाते हैं, तो आपको कुल 5,000 रुपये चुकाने होंगे। 60–पेज का पासपोर्ट– जो लोग ज्यादा सफर करते हैं और 60 पेज का जंबो पासपोर्ट बनवाते हैं, उन्हें अब 2,000 रुपये के बजाय 3,500 रुपये देने होंगे। इसका तत्काल शुल्क 6,000 रुपये तय किया गया है।

बच्चों के पासपोर्ट की फीस भी बढ़ा दी गई है। 18 वर्ष से कम आयु के आवेदकों के लिए नया 36–पेज का पासपोर्ट बनवाने का शुल्क 1,000 रुपये से बढ़ाकर 1,750 रुपये कर दिया गया है। यदि बच्चों का पासपोर्ट तत्काल श्रेणी में बनवाना है, तो इसके लिए 4,250 रुपये देने होंगे। ध्यान रहे, नाबालिगों का पासपोर्ट 5 साल या उनके 18 वर्ष का होने तक (जो भी पहले हो) ही वैध रहता है। अगर आपका पासपोर्ट गुम हो जाता है या किसी वजह से खराब (डैमेज) हो जाता है, तो डुप्लीकेट पासपोर्ट निकलवाना अब काफी महंगा सौदा होगा। 36–पेज रिप्लेसमेंटरू नॉर्मल कैटेगरी में इसके लिए 5,000 रुपये और तत्काल में 7,500 रुपये लगेंगे। 60–पेज रिप्लेसमेंटरू नॉर्मल में 6,000 रुपये और तत्काल में 8,500 रुपये चुकाने होंगे। बच्चों का रिप्लेसमेंट (36–पेज)– नॉर्मल कैटेगरी में 4,250 रुपये और तत्काल में 6,750 रुपये फीस निर्धारित की गई है।

पासपोर्ट सेवाओं से जुड़े अन्य दस्तावेजों के शुल्क में भी बदलाव किया गया है। अब पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट, सरेंडर सर्टिफिकेट और ग्लोबल एंट्री प्रोग्राम वेरिफिकेशन जैसे अन्य विविध प्रमाणपत्रों के लिए 750 रुपये का शुल्क देना होगा। इसके अलावा, सर्टिफिकेट ऑफ आइडेंटिटी बनवाने का खर्च 1,000 रुपये होगा। राहत की बात यह है कि सरकार ने कुछ विशेष वर्गों के लिए 10 प्रतिशत की छूट को बरकरार रखा है। 8 साल तक के छोटे बच्चों और 60 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों (सीनियर सिटीजन) के नए आवेदन पर यह 10 फीसदी की छूट मिलती रहेगी। पासपोर्ट बनवाने जा रहे लोगों को 1 जुलाई 2026 से नई और बढ़ी हुई दरों के हिसाब से ही अपना बजट तैयार करना होगा। हालांकि, वयस्कों के लिए जारी किया गया पासपोर्ट पहले की तरह ही 10 साल तक वैध रहेगा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी में पहली FIR दर्ज, पांच आरोपी नामजद

अयोध्या, 25 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी के मामले में गुरुवार को पहली एफआईआर दर्ज कर ली गई है। यह कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। मुकदमा कृष्णमोहन की तहरीर पर दर्ज किया गया है। एफआईआर में अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, अविनाश शुक्ला, रामाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और मनीष यादव को नामजद किया गया है। बताया जा रहा है कि चढ़ावे की राशि के संग्रहण और जमा प्रक्रिया में सामने आई कथित अनियमितताओं की जांच के बाद यह मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल ने अपनी प्रारंभिक पड़ताल में कुछ तथ्यों को चिन्हित किया था। जिसके आधार पर पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू की। एफआईआर दर्ज होने के बाद अब आरोपियों की भूमिका, वित्तीय लेनदेन, चढ़ावे के प्रबंधन और अन्य संबंधित पहलुओं की विस्तृत जांच की जाएगी।

सांसद संजय सिंह ने SIT से मिलकर सौंपा राम मंदिर में भ्रष्टाचार और अनियमितता के सबूत

लखनऊ, 25 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह बृहस्पतिवार को राम मंदिर दान में कथित अनियमितता से संबंधित मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने पेश हुए और दस्तावेज सौंपे। दावा किया कि उनके द्वारा सौंपे गए दस्तावेजों में भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के सबूत हैं। एसआईटी का नेतृत्व लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत कर रहे हैं। संजय सिंह पूर्वाह्न करीब 11 बजे कमिश्नर कार्यालय पहुंचे और जांच टीम को दस्तावेज सौंपे। आप सांसद संजय सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि उनके पास कथित भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज और सबूत हैं और उन्होंने उन्हें एसआईटी को सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि 13 जमीनों के दस्तावेज मैंने एसआईटी प्रमुख को दिए हैं। अब वह क्या जांच करेंगे, वह सामने आएगा। उसमें बहुत बड़े और गंभीर घोटाले हुए हैं। दो करोड़ रुपये की जमीन साढ़े अट्ठारह करोड़ रुपये में खरीदी गई। तीन करोड़ रुपये की नजूल की जमीन 24 करोड़ रुपये में खरीदी गई। नौ करोड़ रुपये की जमीन 55 करोड़ 47 लाख रुपये में खरीदी गई। ऐसे तमाम मामले हैं, जिससे मालूम होता है कि जमीनों के नाम पर करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ।

उन्होंने कहा कि दस्तावेज़ मामले के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने में मदद कर सकते हैं और इस बात पर जोर दिया कि किसी भी संवेदनशील मुद्दे की निष्पक्ष जांच तभी संभव है, जब विभिन्न पक्षों के पास उपलब्ध सभी प्रासंगिक तथ्य और सबूत जांच एजेंसी के सामने रखे जाएं। एसआईटी के सामने पेश होने का उद्देश्य अपना पक्ष रखना और मेरे पास मौजूद दस्तावेज जमा करना था। आप नेता संजय सिंह ने दावा किया कि दस्तावेज गंभीर अनियमितताओं की ओर इशारा करते हैं और जांच एजेंसी द्वारा विस्तृत जांच की आवश्यकता है। उनके मुताबिक, यदि दस्तावेजों की निष्पक्षता से जांच की जाए तो कई अहम तथ्य सामने आ सकते हैं। उन्होंने पहले एसआईटी से अतिरिक्त दस्तावेज और सबूत पेश करने के लिए समय मांगा था और जांच टीम ने उन्हें आश्वासन दिया था कि उन्हें ऐसा करने का पूरा मौका दिया जाएगा।

संजय सिंह ने दावा किया कि एसआईटी अध्यक्ष ने खुद उनसे संपर्क किया था और उन्हें जांच में सहयोग करने के लिए आमंत्रित किया था। कहा कि उन्होंने टीम के सामने सभी उपलब्ध तथ्य रखे हैं और जांच में पूरा सहयोग देना जारी रखेंगे। लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी को विभिन्न व्यक्तियों और संगठनों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों और दस्तावेजों की जांच करने का काम सौंपा गया था।

प्रदेश में मानसूनी बारिश का बनने लगा माहौल, 27 के बाद बरसात की संभावना

लखनऊ, 25 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। प्रदेश में मानसूनी बारिश के लिए माहौल बनना शुरू हो गया है। बृहस्पतिवार को आसमान में बादल छाए रहे जिसकी वजह से उमस बढ़ गई। कई जिलों में लू का असर भी देखने को मिला तो कहीं–कहीं हल्की बूंदाबांदी भी हुई। मौसम विभाग के अनुसार, 27 जून के बाद से पूरे प्रदेश में बारिश के आसार हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, आगामी 3–4 दिनों के दौरान पश्चिम मानसून के उत्तर प्रदेश में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। 28 जून से प्रादेशिक वर्षा में प्रभावी वृद्धि की संभावना है। फिलहाल पूर्वी उत्तर प्रदेश में उष्ण लहर (लू) का दौर जारी है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में प्रभावी मौसमी गतिविधियों की अनुपस्थिति में तापमान में मामूली वृद्धि के साथ 27 जून तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर लू की स्थितियां जारी रहने की संभावना है। इसके बाद 28 जून से प्रदेश में वर्षा का एक नया दौर शुरू हो सकता है। इसमें उत्तरोत्तर वृद्धि की संभावना के दृष्टिगत दक्षिण पश्चिम मानसून के आगामी 2–3 दिनों के दौरान प्रदेश तक पहुंचने और उसके बाद के 2–3 दिनों के दौरान उत्तर प्रदेश में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

'देवव्रत' हिन्दी दैनिक आजमगढ़

' राहुल जिम्मेदार '

ना चम्पत, ना अनिल जी,
ना दोषी सरकार।
राम चढ़ावा लूट का,
राहुल जिम्मेदार।
शामिल हैं नेहरू भी।

26 जून 2026

धीरू भाई का दो टूक

उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति पर लागू सभी प्रतिबंध हटा

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। औद्योगिक और वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। इस तरह की एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति पर लगे सभी क्षेत्रीय प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। अब आपूर्ति पश्चिम एशिया संकट से पहले के स्तर पर पूरी तरह बहाल कर दी गई है। यह कदम उद्योगों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को बड़ी राहत देगा। थोक एलपीजी की आपूर्ति भी 50 फीसदी तक बहाल की गई है। संकट के दौरान थोक एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह निलंबित कर दी गई थी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, एलपीजी आपूर्ति की स्थिति में हालिया सुधार के बाद यह बहाली की गई है। इससे वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को काफी लाभ मिलेगा। उन्हें अपनी परिचालन लागत कम करने में मदद मिलेगी। यह निर्णय बाजार में गैस की उपलब्धता बढ़ाएगा। इससे उत्पादन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

13 दिन में ही ट्रिलियनेयर से बिलेनियर हो गए एलन मस्क

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क अब ट्रिलियनेयर नहीं है। 12 जून को स्पेसएक्स के शेयर बाजार में शानदार डेब्यू के बाद मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बने थे। अब उनकी संपत्ति घटकर 950 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। स्पेसएक्स और टेस्ला के शेयरों में गिरावट इसकी वजह बने हैं। मस्क कैसे दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बने थे? उनकी कंपनियों के शेयरों में गिरावट क्यों आई? मस्क को कितना घाटा हुआ? गिरावट के पिछे क्या वजह है? क्या अब मस्क दुनिया के सबसे अमिर व्यक्ति भी नहीं रहे? क्या फिर से ट्रिलियनेयर बन सकते हैं मस्क? आइये जानते हैं... रॉकेट और सैटेलाइट कंपनी स्पेसएक्स ने 12 जून को अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक पर आईपीओ लॉन्च किया। कंपनी ने 135 डॉलर प्रति शेयर के भाव पर शेयर बेचे। पहले ही दिन शेयर 176 डॉलर

तक पहुंच गया, जिससे मस्क की संपत्ति पहली बार 1 ट्रिलियन डॉलर के पार निकल गई। स्पेसएक्स ने ऐतिहासिक आईपीओ ने शेयर बाजार से 75 अरब डॉलर जुटाए। स्पेसएक्स का बाजार मूल्य लिस्टिंग के समय करीब 1.77 ट्रिलियन डॉलर था, जो कारोबार के दौरान लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। एलन मस्क के पास स्पेसएक्स में करीब 40% और टेस्ला में लगभग 12% हिस्सेदारी है। रॉयटर्स की गणना के अनुसार, 12 जून को जब शेयरों की ट्रेडिंग शुरू हुई, तो टेस्ला और उनकी अन्य कंपनियों की हिस्सेदारी को मिलाकर मस्क की कुल संपत्ति 1.1 ट्रिलियन डॉलर (1.1 लाख करोड़ डॉलर) को पार कर गई। इसमें केवल स्पेसएक्स की ही लगभग 866 अरब डॉलर की हिस्सेदारी शामिल है। जब एलन मस्क की कुल संपत्ति 1.1 ट्रिलियन डॉलर (1,100 अरब डॉलर) के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंची थी, तब उनकी दौलत का पैमाना पाकिस्तान की पूरी अर्थव्यवस्था से भी कहीं बड़ा था। उस समय पाकिस्तान का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) करीब 452 अरब डॉलर था। यानी मस्क की संपत्ति पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था से लगभग 2.5 गुना बड़ी थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, दुनिया में केवल 20 देश ऐसे हैं जिनकी अर्थव्यवस्था 1.1 ट्रिलियन डॉलर से बड़ी है। मस्क की कुल अनुमानित दौलत दुनिया के अधिकांश देशों की जीडीपी से ज्यादा थी। इनमें ताइवान का +977 बिलियन (92.81 लाख करोड़ रुपये), आयरलैंड का 779 बिलियन डॉलर (74.00 लाख करोड़ रुपये), स्वीडन का 760 बिलियन डॉलर (72.20 लाख करोड़ रुपये), सिंगापुर का 660 बिलियन डॉलर (62.70 लाख करोड़ रुपये) और मस्क का गृह देश दक्षिण अफ्रीका का 480 बिलियन डॉलर (45.60 लाख करोड़ रुपये) शामिल हैं। 16 जून को स्पेसएक्स का शेयर 225.64 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र शक्ति भूषण यादव की शादी हिन्दू रीति रिवाज से निशा यादव उर्फ रंजना पुत्री रामभवन यादव निवासी ग्राम जहनिया पोस्ट व थाना कोपागंज जनपद मऊ के साथ 21.06.2021 को हुई थी। मेरा पुत्र शक्ति भूषण यादव और बहू निशा यादव उर्फ रंजना हमेशा आपस में लड़ते झगड़ते रहते है। दोनों एक दूसरे से अलग रहने लगे है, और बहू निशा यादव उर्फ रंजना मायके चली गई है। मैं अपने पुत्र के व्यवहार से आजिज आकर उसे अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब मेरे पुत्र शक्ति भूषण यादव से मेरा कोई वास्ता व सरोकार नहीं है। यदि भविष्य में वह कोई असंवैधानिक कृत्य करता है तो उसका जिम्मेदार वह स्वयं होगा। **सुशीला** पत्नी रामयतन निवासी ग्राम भोर्रा मकबूलपुर पोस्ट किशुनदासपुर तहसील सदर थाना कन्धरापुर जनपद आजमगढ़।

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी मेंहनगर, आजमगढ़
धारा 34 उप्रासं 2006 मौजा मुजफ्फरपुर
काफिया बनाम अनवरी

बनाम– काफिया बेगम पत्नी जमालुद्दीन साकिन कतरा परगना निजामाबाद तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़ 2. अनवरी पत्नी असफाक साकिन फरिहा हाल मुकाम मुजफ्फरपुर परगना निजामाबाद तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 25 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी मेंहनगर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा मुजफ्फरपुर
काफिया बनाम मजहरी

बनाम– मजहरी पत्नी गयासुद्दीन साकिन सोनवारा हाल मुकाम मुजफ्फरपुर परगना निजामाबाद तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़ 2. काफिया बेगम पत्नी जमालुद्दीन साकिन कतरा परगना निजामाबाद तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 04 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) मेंहनगर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा शाहपुर कानूनगो/करायल/टोडरपुर
प्रदीप बनाम रविप्रताप आदि

बनाम–सकलदीप पुत्र इन्द्रासन साकिन रासेपुर 2. प्रहलाद पुत्र परमहंस 3. अनिकेत विक्रम पुत्र यशवन्त साकिन पट्टी 4. सूर्यभान पुत्र इन्द्रासन साकिन रासेपुर 5. बलवन्त पुत्र महातिम 6. रचना पुत्र यशवन्त 7. हृदय नरायन 8. लल्लन पुत्रगण विक्रमा 9. महातम पुत्र सभाजीत साकिनान पट्टी 10. रामहर्ष पुत्र कुन्जन साकिन शाहपुर कानूनगो 11. बेचू 12. पारसनाथ पुत्रगण सूर्यपति 13. रविप्रताप पुत्र जगदीश 14. जगदीश 15. उदयनरायन पुत्रगण विक्रमा साकिनान पट्टी 16. दुर्गेश पुत्र इन्द्रासन साकिन रासेपुर 17. प्रमोद कुमार पुत्र कल्पनाथ साकिन पट्टी परगना बेलहाबास तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 29 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित कि मेरा पुत्र अफरोज शाह और मेरी बहू सायरा बानो मेरे कहने में नही है, मुझे व मेरे पति को गाली देते है और मारते–पीटते है। मेरा पुत्र गलत लोगो के संगत में है और गलत कामो में लिप्त है। मैंने अपने पुत्र अफरोज शाह और बहू सायरा बानो को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से दिनांक–06.06.2026 को तंग व परेशान होकर बेदखल कर (आक कर) दिया है, मेरा मेरे पुत्र अफरोज व मेरी बहू सायरा बानो से कोई सम्बन्ध, वास्ता व सरोकार नहीं है। अफरोज शाह व सायरा बानो द्वारा दिये गये वचन, दायित्व व कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार है। वहीदुन्निशा पत्नी सरफराज शाह, साकिन बरईपुर, पो० व तहसील–मु०बाद गोहना, जिला–मऊ (उत्तर प्रदेश)

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) मेंहनगर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा जमीरपुर उर्फ बूढ़नपुर
संदीप बनाम गायत्री

बनाम– गायत्री पत्नी जयप्रकाश पुत्र परसोत्तम साकिन जमीरपुर उर्फ बूढ़नपुर परगना बेलहाबास तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 03 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी मेंहनगर, आजमगढ़
अपील सं 7729/2025/7730/2025/7731/2025
धारा 207 उप्रासं 2006 मौजा खरिहानी/इस्माइलपुर/मैनपुर परगना बेलहाबास
अनीता बनाम अमित

बनाम– अमित कुमार पुत्र स्व. रामजनम सिंह साकिन टण्डवाखास परगना बेलहाबास तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 10 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत अपर जिलाधिकारी प्रशासन, आजमगढ़
मु.नं. डी 202515060000467
धारा 30 उप्रासं 2006 मौजा मुखलिसपुर

विनोद पुत्र गजराज 2. हरिचरण 3. हीरालाल पुत्रगण जगरनाथ साकिनान मठगोविन्द परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रार्थीगण

बनाम

अर्जुन 2. नकुल पुत्रगण मथुरा 3. संतोष पुत्र भीम 4. रामसागर पुत्र बलिकरन 5. विरेन्द्र पुत्र सुक्खू 6. मोहित पुत्र रामबचन 7. दुर्गावती पत्नी मोहित साकिनान मठगोविन्द परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 8. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत मुखलिसपुर परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 29 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा वास्ते पेश करने वजह इस अम्र के कि तजबीजसानी क्यों ना मंजूर होनी चाहिए।
(आर्डर 47 कायदा 4 मजमुआ जाविता दीवानी)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
वाद सं. टी 201815060200658/2018
धारा 209 ज/116 उप्रासं 2006 मौजा फैज्जुल्लाहपुर
इसरावती बनाम शहाबुद्दीन

बनाम–चनौती पत्नी रामसूरत 2. इसरावती देवी पत्नी चन्द्रभान साकिनान फैज्जुल्लाहपुर तप्पा फरिहा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 3. शहाबुद्दीन पुत्र सदरूद्दीन साकिन तेलीपुर तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ 4. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत फैज्जुल्लाहपुर परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

मुत्तिला हो कि **मनीष लाल यादव** ने इस अदालत में वास्ते तजबीजसानी मुसद्दिरह तारीख 00 माह 00 सन् 0000 ई0 मुकदमा मरकूमहवाला के दरख्वास्त गुजरानी है। तारीख 30 माह 06 सन् 2026 ई0 इसलिए मुकर्रर हुई है कि आप वजह जाहिर कीजिए कि इस मुकदमें फैंसला की तजबीजसानी क्यों न मंजूर होनी चाहिए। आज बतारीख 23 माह 06 सन् 2026 ई0 मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया जाय। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) मेंहनगर, आजमगढ़
धारा 20/24 उप्रासं 2006 मौजा मेहनगर

बजरंगी लाल गुप्ता पुत्र सुकुरू साकिन मेहनगर परगना बेलादौलताबाद तहसील मेहनगर जनपद आजमगढ़। —वादी

बनाम

गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत मेहनगर परगना बेलादौलताबाद तहसील मेहनगर जनपद आजमगढ़ 2. शकुन्तला पत्नी रामअनुज 3. कुबेर चौहान पुत्र जीता 4. फौजदार पुत्र मुन्नू सरोज साकिनान मेंहनगर परगना बेलादौलताबाद तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 29 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 15 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 134 उप्रासं 2006 मौजा गन्धुवई
मो. इलियास बनाम तहसीलदार यादव आदि

बनाम–तहसीलदार यादव 2. विरेन्द्र यादव 3. देवेन्द्र यादव पुत्रगण सभाराम साकिनान मैनपार तप्पा फरिहा तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 06 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी निजामाबाद, आजमगढ़
धारा 134 उप्रासं 2006 मौजा सोफीपुर
अरविन्द कुमार बनाम रामवृक्ष आदि

बनाम–रामवृक्ष यादव 2. रामजनक पुत्रगण शिवपरसन 3. श्रीमती आशा पत्नी राममिलन साकिनान सोफीपुर तप्पा कोठा परगना व तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 06 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी मेंहनगर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा रामपुर
कलावती आदि बनाम बनारसी

बनाम–बनारसी पुत्र रूपा साकिन रामपुर परगना बेलहाबांस तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादी

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 30 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 23 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) मेंहनगर, आजमगढ़
धारा 20/24 उप्रासं 2006 मौजा लौदह इमादपुर
विनोद आदि बनाम बासमती आदि

बनाम– रोहित पुत्र फिरतू साकिन लौदह इमादपुर परगना बेलादौलताबाद तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 30 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 23 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) लालगंज, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा पैड़हा
सुबास आदि बनाम रविन्दर कुमार आदि

बनाम– सविन्दर कुमार पुत्र नन्दू 2. अशोक कुमार 3. उपेन्द्र पुत्रगण होरीलाल उर्फ हरीलाल 4. प्रांजल सिंह पुत्र नागेन्द्र लाल 5. मनकेशरा देवी पत्नी होरीलाल 6. राजकुमार पुत्र पतिराम 7. लछिराम पुत्र रामनन्दन 8. वेद कुमार पुत्र पतिराम 9. सौमेन्द्र सिंह पुत्र नागेन्द्रलाल 10. स्वरसती पत्नी पतिराम 11. नन्दलाल पुत्र पथरू 12. सेचू पुत्र पथरू 13. दुर्गावती पत्नी अमरनाथ 14. संजय पुत्र अमरनाथ 15. बेचू पुत्र झूरी 16. राहुल कुमार 17. अवधेश पुत्रगण लालचन्द साकिनान पैड़हा परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 30 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 16 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा भुवना खुर्द

तारा देवी पत्नी श्रीराम साकिन भुवना खुर्द परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —वादीगण

बनाम

सुभावती देवी पत्नी जगधर राम साकिन भुवना खुर्द परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 2. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत भुवना खुर्द परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 09 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा खोन्हनपुर फरीद पट्टी

लालचन्द 2. लालमन 3. कंचन पुत्रगण बद्दल साकिनान खोन्हनपुर फरीद पट्टी परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —वादीगण

बनाम

बलिकरन पुत्र सिद्धनाथ साकिन खोन्हनपुर फरीद पट्टी परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 2 गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत खोन्हनपुर फरीद पट्टी परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 01 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा पनकरपुर

शारदा देवी पत्नी सत्यनरायन यादव 2. प्रशान्त विवेक 3. आनन्द विवेक पुत्रगण सत्यनरायन यादव साकिनान शाहपुर मु. भटौली परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —वादीगण

बनाम

पंकज विवेक पुत्र रामअवध 2. सौरभ 3. गौरव पुत्रगण नीरज विवेक 4. ज्योति पुत्री नीरज विवेक 5. नीरकला पत्नी नीरज विवेक साकिनान शाहपुर मु. भटौली परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 6. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत पनकरपुर परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 01 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा शाहपुर मु. भटौली

शारदा देवी पत्नी सत्यनरायन यादव 2. प्रशान्त विवेक 3. आनन्द विवेक पुत्रगण सत्यनरायन यादव साकिनान शाहपुर मु. भटौली परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —वादीगण

बनाम

पंकज विवेक पुत्र रामअवध 2. सौरभ 3. गौरव पुत्रगण नीरज विवेक 4. ज्योति पुत्री नीरज विवेक 5. नीरकला पत्नी नीरज विवेक साकिनान शाहपुर मु. भटौली परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 6. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत शाहपुर मु. भटौली परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 01 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी बूढ़नपुर, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा दाऊदपुर

शारदा देवी पत्नी सत्यनरायन यादव 2. प्रशान्त विवेक 3. आनन्द विवेक पुत्रगण सत्यनरायन यादव साकिनान शाहपुर मु. भटौली परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —वादीगण

बनाम

पंकज पुत्र रामअवध 2. सौरभ 3. गौरव पुत्रगण नीरज विवेक 4. ज्योति पुत्री नीरज विवेक 5. नीरकला पत्नी नीरज विवेक साकिनान शाहपुर मु. भटौली परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 6. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत दाऊदपुर परगना अतरौलिया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 01 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा रैचन्द पट्टी
नारंग आदि बनाम अनिल आदि

बनाम–अनिल 2. अरविन्द 3. सुनील 4. हरिश्चन्द्र 5. प्रेमनारायन पुत्रगण रज्जन 6. गीता पत्नी रामकेश 7. नरमी देवी पत्नी रामविनय 8. विशन पटेल 9. पवन 10. नारायन सिंह पुत्रगण रामविनय सिंह साकिनान रैचन्दपट्टी परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 17 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 20 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा बालाजानी
नारंग आदि बनाम नरमी आदि

बनाम–नरमी देवी पत्नी रामविनय 2. विशन पटेल 3. नरायन सिंह 4. पवन पुत्रगण रामविनय 5. रामकलेश पुत्र रामभजन 6. सच्चिदानन्द 7. उपेन्द्र पुत्रगण रामकलेश साकिनान रैचन्दपट्टी परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 17 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 20 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

संस्थापक :
स्मृतिशेष श्री ठाकुर प्रसाद यादव

सम्पादक :
श्री विजय कुमार यादव

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री विजय कुमार यादव के लिए स्वाभिमान प्रकाशन, शहीद द्वार (सिविल लाईन) आजमगढ़ से मुद्रित कराकर 'देवव्रत' हिन्दी दैनिक कार्यालय, 31 शहीद द्वार आजमगढ़–276001 से प्रकाशित।
पो.रजि.नं. : आ./एन.पी.–92
टेली फैक्स : 05462-297576
मोबाइल : 9415370246
RNI NO. 56765/92

उप्र भाजपा की नई टीम में पूजा पाल बनीं उपाध्यक्ष, राजनाथ सिंह के छोटे बेटे को भी मिली एंट्री

लखनऊ, 25 जून (देवव्रत संवाद)। विधानसभा चुनाव से पहले यूपी में गुरुवार को भाजपा की नई टीम का ऐलान कर दिया गया।64 पदाधिकारियों की इस लिस्ट में 52 लोगों को प्रदेश कार्यकारिणी यानी प्रदेश टीम में जगह मिली है। इनमें 19 उपाध्यक्ष, 19 मंत्री, 8 महामंत्री और 6 मोर्चा अध्यक्ष हैं। इसके अलावा, 6 क्षेत्रीय अध्यक्ष, 3 कार्यालय मंत्री और 3 अन्य पदाधिकारी भी बनाए गए हैं। सपा से बगावत करने वालीं विधायक पूजा पाल को उपाध्यक्ष बनाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के छोटे बेटे नीरज सिंह की भी प्रदेश टीम में एंट्री हुई है।उन्हें उपाध्यक्ष बनाया है।इसके अलावा, प्रतापगढ़ के रोहित मिश्रा को युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है। यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह को मिलाकर अब 54 लोगों की टीम हो गई है। टीम में 13 महिलाएं हैं। पिछली बार की तुलना करें तो ओबीसी की संख्या 16 से बढ़कर 25 हो गई है। सामान्य वर्ग के 21 चेहरों को प्रदेश टीम में जगह मिली है।ठाकुरों की संख्या 7 से घटकर 6 और ब्राह्मणों की संख्या 8 से घटकर 7 हो गई है। इसके अलावा 4 भूमिहार, 3 वैश्य और 1 श्रीवास्तव को जगह मिली है। अनुसूचित जाति की बात करें तो 7 लोगों को जगह दी गई है। वहीं, अनुसूचित जनजाति में सिर्फ इंजीनियर विद्याभूषण गोंड को जगह दी गई है।

कोलकाता में बारिश से सड़कें डूबीं, जगह-जगह ट्रैफिक जाम

कोलकाता, 25 जून (देवव्रत संवाद)।पश्चिम बंगाल के कोलकाता में गुरुवार दोपहर को मूसलाधार बारिश हुई। करीब दो घंटे की तेज बारिश से शहर की कई प्रमुख सड़कें डूब गईं। कोलकाता और साल्ट लेक के कई इलाकों में सड़कों पर पानी भरने से लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। भारी बारिश के कारण तारातला में ढहे गोदाम पर चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन भी प्रभावित हुआ है। बुधवार को हुए हादसे में 10 लोगों की मौत हुई है। अब तक मलबे से 30 लोगों को निकाला गया है। कई लोग अभी भी मलबे के नीचे दबे हैं। इधर, 6 राज्यों- उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में प्री-मानसून बारिश जारी है। मौसम विभाग ने दिल्ली-ठउफमें अगले कुछ घंटों के दौरान आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। हवा की रफ्तार 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इससे पेड़ गिरने और टेंट-शेड उड़ने का खतरा है।गोवा के बागा बीच पर बुधवार को एक टूरिस्ट की समुद्र में बहने से मौत हो गई। कर्नाटक के रहने वाले सहस अशपाक मसाली (33) समुद्र किनारे चट्टानों पर बैठे थे। इसी दौरान तेज लहरें उठीं और उफनते समुद्र ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

एसआईटी जांच सिर्फ.एक धोखा, ताकतवरों को बचाने का अस्त्र-केजरीवाल

नई दिल्ली, 25 जून (देवव्रत संवाद)।आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को अयोध्या राम मंदिर में चंदे के कथित गबन की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम पर निशाना साधा। उन्होंने इसे ₹धोखाधड़ी₹ और प्रभावशाली लोगों को बचाने के लिए किया गया मामले को दबाने का प्रयास₹ (कवर-अप) बताया। आज लखनऊ पहुंचे केजरीवाल ने दावा किया कि रक्ळ के पास निष्पक्ष जांच करने का अधिकार नहीं है। आप राष्ट्रीय संयोजक ने पत्रकारों से कहा, ₹इस रक्ळ के पास जांच करने की कोई शक्ति नहीं है, इसलिए लोगों की नजर में यह रक्ळ सिर्फ.एक धोखा है। यह पूरे मामले को दबाने की कोशिश है और रक्ळ का एकमात्र काम प्रभावशाली लोगों को बचाना है।मंदिर के खजाने से चोरी के आरोपों पर दुख जताते हुए केजरीवाल ने कहा कि चढ़ावे के गायब होने की खबरों से उन्हें गहरा दुख हुआ है। उन्होंने कहा कि श्री राम मंदिर के बारे में जिस तरह की खबरें आ रही हैं, उससे मेरा दिल बहुत दुखी है। भगवान को चढ़ाए गए हीरे और गहने चोरी हो गए। कहा जा रहा है कि 200 करोड़ रुपये तक नकद चोरी हुए। किसी ने 200 किलो चांदी दान की थी, वह भी चोरी हो गई। मेरा दिल बहुत दुखी है।

मेरे खिलाफ नफरत फैला रहे हैं, कामयाब नहीं होंगे-भगवंत मान

नई दिल्ली, 25 जून (देवव्रत संवाद)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को आरोप लगाया कि उनकी छवि खराब करने के लिए उनके नकली वीडियो फैलाए जा रहे हैं और दावा किया कि राजनीतिक फायदे के लिए धार्मिक आदेशों या 'हुकमनामों' का इस्तेमाल किया जा रहा है। एक कथित वायरल वीडियो को लेकर मचे विवाद के बीच प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि वे लोगों के मन में मेरे प्रति नफरत पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे। इस वीडियो में उन्हें कथित तौर पर शराब पीते और धार्मिक तस्वीरों पर शराब छिड़कते हुए दिखाया गया है।भगवंत मान ने कहा कि वे मुझसे राजनीतिक तौर पर नहीं लड़ सकते, इसलिए वे मुझे धार्मिक आधार पर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं श्री अकाल तख्त को चुनौती नहीं दे सकता। वीडियो में दिख रहा व्यक्ति मैं नहीं हूँ...तीनों राजनीतिक पार्टियां मुझे बदनाम करने के लिए एकजुट हो गई हैं। मान ने आरोप लगाया कि उन्हें धार्मिक आधार पर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है और कहा कि उन्हें बदनाम करने के मकसद से ही ऐसे आदेश अक्सर जारी किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, हमारी सरकार ने ही सबसे ज्यादा काम किया है।

इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी में किसी की पार्टी नहीं तोड़ी थी-संजय राउत

नई दिल्ली, 25 जून (देवव्रत संवाद)। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने गुरुवार को एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना और इखढ पर तंज कसा। यह तंज तब कसा गया जब एनसीआरटी ने 9वीं कक्षा की पाठ्यपुस्तक में 1975 की इमरजेंसी पर एक टॉपिक शामिल किया। राउत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कोई पार्टी नहीं तोड़ी थी। 'पार्टी तोड़ने' का यह तंज तब आया जब वइळ सेना के नौ लोकसभा सांसदों में से छह सांसद शिवसेना में शामिल हो गए। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने दावा किया कि देश पिछले 12 सालों से इमरजेंसी जैसे हालात से गुजर रहा है। 1975 की इमरजेंसी का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान में इसका प्रावधान है।उन्होंने कहा, ₹इस देश में पिछले 12 सालों से इमरजेंसी जैसे हालात हैं। इंदिरा गांधी ने कोई राजनीतिक पार्टी नहीं तोड़ी और न ही संविधान को खत्म किया। इमरजेंसी सिर्फ.पढ़ाई का विषय नहीं है, बल्कि संविधान में भी इसका प्रावधान है। संविधान में देश में अराजकता फैलने की स्थिति में इमरजेंसी का प्रावधान है। इसका मतलब यह नहीं है कि आपको संविधान का सम्मान नहीं करना चाहिए।

किसान के बाद अब छात्रों को भी बताया आतंकवादी, शिक्षामंत्री देश से मांगें माफी -राहुल

नई दिल्ली, 25 जून (देवव्रत संवाद)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की कड़ी आलोचना करते हुए उन पर छात्रों का अपमान करने का आरोप लगाया और देश के युवाओं से माफी मांगने और इस्तीफा देने की मांग की। पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में, गांधी ने दावा किया कि मोदी सरकार अहंकारी हो गई है और उन छात्रों को निशाना बना रही है जो अपने अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षाओं और रोजगार के मौकों की मांग कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि सत्ता के अहंकार में डूबी मोदी सरकार अब उस मुकाम पर पहुँच गई है जहाँ शिक्षा मंत्री उन छात्रों को 'आतंकवादी' कह रहे हैं, जो बस अपने अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षाओं और सुरक्षित भविष्य की मांग कर रहे हैं।

गांधी ने परीक्षा के पेपर बार-बार लीक होने और शिक्षा व्यवस्था की नाकामियों जैसे मुद्दों पर जोर दिया, जिनका लाखों छात्रों के भविष्य पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि जरा सोचिए झ जिसकी नाकामियों की वजह से इतने सारे पेपर लीक हुए, जिसके शासन में 20 बच्चों की जान चली गई, जिसने लाखों युवाओं का भविष्य अंधेरे में धकेल दिया झ वही आज परेशान बच्चों और आवाज उठाने वालों को 'आतंकवादी' कह रहा है। लेकिन यह कोई नई बात नहीं है: देश का पेट भरने वाले किसानों को 'पेशेवर आंदोलनकारी और परजीवी' कहा गया। सवाल पूछने वालों को 'देश-विरोधी' करार दिया गया। और अब, युवाओं को 'आतंकवादी' कहा जा रहा है।

पिछले विरोध-प्रदर्शनों का ज़िक्र करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार ने बार-बार आलोचकों और असहमति जताने वालों को अपमानजनक नामों से पुकारा है। उन्होंने कहा कि जो कोई भी सरकार से सवाल करता है, उसे देशद्रोही करार दे दिया जाता है; बस यही उनकी पूरी राजनीति है। धर्मेंद्र प्रधान, आप तुरंत इस देश के लाखों युवाओं से माफी मांगें और अपनी नाकामियों के लिए इस्तीफा दें। जहाँ तक मेरी बात है, तो आप मुझ पर जितना चाहें उतना हमला कर सकते हैं।

शिक्षा व्यवस्था पर अपनी आपत्तियों को दोहराते हुए गांधी ने कहा कि उन्होंने पहले भी कोटा में इस बारे में बात की थी और वे अपनी बात आगे भी उठाते रहेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि मैंने कोटा में भी यही कहा था और आज फिर कह रहा हूँ: आज यह शिक्षा व्यवस्था सिर्फ. वसूली का धंधा बन गई है। मैं इसे ऐसे ही नहीं चलने दूँगा। हर बच्चे को सस्ती और अच्छी शिक्षा मिले और परीक्षाएँ निष्पक्ष होंझइस बात के लिए मैं हमेशा आवाज उठाता रहूँगा।

ईरानी स्कूल पर अमेरिकी मिसाइल गिरने के कोई सबूत नहीं-ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी, 25 जून (एजेंसी/देवव्रत संवाद)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के मिनाब गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में अमेरिकी मिसाइल के इस्तेमाल से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि उस वक्त हर तरफ मिसाइलें दागी जा रही थीं, इसलिए शायद कभी यह पता नहीं चल पाएगा कि हमले के लिए जिम्मेदार कौन था।

ट्रम्प ने कहा, किसी ने कहा कि यह हमारी मिसाइल थी, लेकिन हो सकता है कि वह हमारी मिसाइल न हो। मैंने ऐसा कोई सबूत नहीं देखा, जिससे लगे कि यह हमला हमने किया था। हालांकि 10 दिन पहले ही ट्रम्प ने इस घटना को गलती बताया था और कहा था कि स्कूल को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया गया। मार्च में आई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सेना की शुरूआती जांच में हमले के पीछे अमेरिकी फोर्सेस का रोल होने की आशंका जताई गई थी। हालांकि पेंटागन ने अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और जांच जारी है।

ईरान के मुताबिक, 28 फरवरी को मिनाब के गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में 175 से ज्यादा बच्चों और शिक्षकों की मौत हुई थी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (वठळफ्ठ) ने इस हमले को भयावह बताया था।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने अमेरिकी संसद से 87.6 अरब डॉलर यानी करीब 8.3 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त फंडिंग मंजूर करने की मांग की है।

ट्रक में घुसी कार, औरंगाबाद के चार लोगों की मौत

मंदसौर, 25 जून (देवव्रत संवाद)। मंदसौर में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं।दुर्घटना गुरुवार सुबह करीब 11 बजे हुई। सीतामऊ थाना पुलिस के मुताबिक, रेनॉल्ट ट्राइबर कार में छह लोग सवार थे। सभी महाराष्ट्र के औरंगाबाद के रहने वाले हैं। वे दिल्ली मोबाइल इक्विपमेंट का सामान लेने जा रहे थे, लेकिन इस बीच तितरोद में हादसे का शिकार हो गए। पुलिस के मुताबिक, परिजनों को सूचना दे दी गई है। संभवतः वह गुरुवार देर रात या शुक्रवार सुबह तक मंदसौर पहुंचेंगे, जिसके बाद पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू होगी। चारों शवों को सीतामऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही रखा गया है।वहीं प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया। उसमें सवार लोग करीब एक घंटे तक अंदर फंसे रहे।

कॉर्पोरेट पर टैक्स लगाकर सुनिश्चित किए जाएं संवैधानिक अधिकार-रोजगार, सामाजिक अधिकार यात्रा

बभनी (सोनभद्र), 25 जून (देवव्रत संवाद)। जनगणना में आदिवासी धर्म कोड को शामिल करने समेत आठ सूत्रीय मांगों को लेकर निकाली जा रही रोजगार-सामाजिक अधिकार यात्रा गुरुवार को बभनी क्षेत्र पहुंची। यात्रा के दौरान बभनी बाजार, घघरा, चौवना, एकदरी, रंदह सहित विभिन्न गांवों में जनसंपर्क और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संवाद कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश के बड़े कॉर्पोरेट घरानों की संपत्ति पर प्रभावी कर लगाकर संविधान में प्रदत्त रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन और अन्य सामाजिक अधिकारों को प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाया जा सकता है। उनका कहना था कि देश में संसाधनों की कोई कमी नहीं है, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। यदि सरकार देशी-विदेशी कॉर्पोरेट कंपनियों पर उचित कराधान लागू करे और काली पूंजी की समानांतर अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण स्थापित करे

तो वर्तमान बजट का आकार दोगुना किया जा सकता है तथा जनकल्याणकारी योजनाओं पर अधिक व्यय संभव है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सोनभद्र का यह इलाका लंबे समय से विकास के मामले में सरकारी उपेक्षा का शिकार रहा है। रोजगार के अवसरों के अभाव में बड़ी संख्या में युवाओं को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियां ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक शोषण कर रही हैं, जबकि कई गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां लोगों की जमा पूंजी लेकर फरार हो जाती हैं। पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है।सभा में यह भी कहा गया कि आदिवासी समाज के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और नायकों को उचित सम्मान देने तथा उनकी स्मृति में स्मारक स्थापित करने के प्रति सरकार गंभीर नहीं है। रोजगार-सामाजिक अधिकार यात्रा के माध्यम से इन सभी मुद्दों को जनता के बीच उठाया जा रहा है, जिसे व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है। यात्रा में ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के जिला संयोजक कृपाशंकर पनिका, जिला सचिव इंद्रदेव खरवार, मंगरु प्रसाद श्याम, सविता गोंड, रूबी सिंह गोंड, ललित गोंड, गुलशन गोंड, देव कुमार खरवार, राम विचार, समरजीत गोंड, महावीर गोंड, भगवान दास गोंड, श्यामाशंकर यादव और शिवसागर खरवार सहित अन्य लोग शामिल रहे।

आप सांसद ने राममंदिर जमीन घोटाले के सबूत एटीएस को दिए

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही एसआईटी को आप सांसद संजय सिंह ने जमीन घोटाले से जुड़े सबूत दिए। संजय सिंह गुरुवार सुबह 11 बजे लखनऊ में एटीएस के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत के ऑफिस पहुंचे। वे करीब 12 मिनट कमरे में रुके। संजय सिंह ने बाहर आकर कहा- राम मंदिर में जमीन घोटाले के 11 कागजात मैंने एसआईटी को सौंपे हैं। उन्होंने कहा एक-एक कर सब सामने आ रहा है। पैसे की बरामदगी हो चुकी है, चढ़ावे में चोरी के तमाम साक्ष्य मिल चुके हैं। फिर भी अब तक कोई जेल क्यों नहीं गया? किसी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? यह बेहद हैरान करने वाली बात है। दरअसल, संजय सिंह ने दावा किया था कि उनके पास अयोध्या में जमीन घोटाले से जुड़े सबूत हैं। इसके बाद रक्ळ के प्रमुख कुमार विश्वास पंत ने उन्हें सबूत के साथ बुलाया था। वहीं आप पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने कहा- राममंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना से दुःखी हूं।

भाजपा सिर्फ आरएसएस का औजार, सहयोगी नहीं-प्रियांक खरगे

नई दिल्ली, 25 जून (देवव्रत संवाद)। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को बीजेपी का मजाक उड़ाते हुए कहा कि वह सिर्फ. आरएसएस के इशारे पर काम करती है। खरगे और आरएसएस के बीच संवैधानिक और वित्तीय नियमों के पालन को लेकर स्पष्टता की मांग को लेकर खींचतान चल रही है। एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि जब भी फरर की जांच-पड़ताल होती है, तो इखढ घबरा जाती है और हर बार बचाव की मुद्रा में आ जाती है। उन्होंने कई सवाल उठाए, जिन पर हमेशा एक जैसी प्रतिक्रिया मिलती है: खड़गे के अनुसार, जो संगठन आजादी की लड़ाई से दूर रहा, वह अब देशभक्ति का ठेकेदार कैसे बन गया है? और फरर के नागपुर मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराने में लगभग पाँच दशक क्यों लग गए? खरगे ने आगे पूछा कि आरएसएस असल में किस संविधान को मानता है - बाबासाहेब अंबेडकर वाले संविधान को, या उस संविधान को जिसे वे खुद लिखना चाहते थे? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह संगठन खुद को रजिस्टर कराने या टैक्स भरने से इनकार करता है।

उन्होंने एक्स पर कहा कि आरएसएस को हिलाओ तो बीजेपी फुफकारती है। जब भी कोई फरर पर सवाल उठाता है, आरएसएस अपना आपा खो देती है। पूछिए कि जिस संगठन ने आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं दिया, वह अब देश को देशभक्ति का पाठ क्यों पढ़ाता है, तो इखढ फुफकारती है। पूछिए कि नागपुर में तिरंगा फहराने में 52 साल क्यों लगे, तो इखढ फुफकारती है। पूछिए कि वे असल में किस संविधान को मानते हैं - बाबासाहेब वाले को, या उस संविधान को जिसे वे खुद लिखना चाहते थे, तो इखढ फुफकारती है। पूछिए कि वे खुद को रजिस्टर कराने और टैक्स भरने से इनकार क्यों करते हैं, तो इखढ फुफकारती है। फरर से कहिए कि वह अपनी ही बातों पर अमल करे, तो बीजेपी फुफकारती है। इखढ हमेशा स आरएसएस का जरिया रही है, सिर्फ.उसकी सहयोगी नहीं।

यह बयान एक ऐसे विवाद के बीच आया है जो तब शुरू हुआ जब खड़गे ने मोहन भागवत को एक खुला पत्र लिखकर संगठन की कानूनी स्थिति, वित्तीय पारदर्शिता और संवैधानिक जवाबदेही पर स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने कहा कि जो संगठन भारत और विदेशों में 60,000 से ज्यादा शाखाओं और करोड़ों स्वयंसेवकों का दावा करता है, उसे ₹पारदर्शिता, जवाबदेही और संवैधानिक नियमों के पालन के उच्चतम मानकों₹ का पालन करना चाहिए। पत्र में उन्होंने फरर की कानूनी स्थिति और संगठनात्मक ढांचे, पदाधिकारियों, चंदे और आय के स्रोतों, खर्च और संपत्ति, टैक्स नियमों के पालन और बिना औपचारिक रजिस्ट्रेशन के गतिविधियां चलाने के कानूनी आधार के बारे में जानकारी मांगी थी। आरएसएस ने इस मांग को ज्यादातर नजरअंदाज कर दिया है; फरर प्रमुख मोहन भागवत ने पहले ही कहा था कि उन्हें खड़गे को जवाब देने की कोई जरूरत नहीं लगती और उन्होंने इन सवालों को ₹राजनीतिक हथकंडा₹ बताकर खारिज कर दिया, जिसका संघ को पहले भी सामना करना पड़ा है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर दो विमान आए आमने-सामने

अहमदाबाद, 25 जून (देवव्रत संवाद)। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर बुधवार शाम एक बड़ा विमान हादसा टल गया। एअर इंडिया और इंडिगो के दो विमान एक ही टैक्सीवे (रनवे का एक हिस्सा) पर आमने-सामने आ गए। हालांकि दोनों विमानों को समय रहते रोक लिया गया। सूत्रों के अनुसार, मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान मुंबई से अहमदाबाद पहुंची एअर इंडिया की फ्लाइट पार्किंग बे की ओर जाते समय गलती से गलत मोड़ ले बैठी और उसी टैक्सीवे पर पहुंच गई, जहां इंडिगो का विमान मौजूद था। दोनों विमानों के बीच करीब 200 मीटर की दूरी रह गई थी। बाद में एअर इंडिया विमान को टो करके सही पार्किंग बे तक ले जाया गया। इसके बाद इंडिगो विमान रनवे पर पहुंचा। एअर इंडिया ने बयान जारी कर कहा कि 24 जून को मुंबई से अहमदाबाद पहुंची फ्लाइट अक-2493 लैंडिंग के बाद पार्किंग के दौरान अनजाने में गलत दिशा में मुड़ गई थी। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं हुआ। बाद में विमान को टो (खींचकर ले जाना) करके सही पार्किंग बे तक ले जाया गया।

1 जुलाई से पासपोर्ट बनवाना होगा महंगा, नॉर्मल कैटेगरी पासपोर्ट 2,500 और तत्काल 5,000 में बनेगा

नई दिल्ली, 25 जून (देवव्रत संवाद)। भारत में पासपोर्ट बनवाना 1 जुलाई से महंगा हो जाएगा। विदेश मंत्रालय (टएअ) ने पासपोर्ट नियमों में बदलाव करते हुए अलग-अलग कैटेगरीज की फीस बढ़ाई है। मंत्रालय ने पासपोर्ट रूल्स, 1980 में संशोधन के बाद नई दरों को लेकर गजट नोटिफिकेशन जारी किया है। ये बढ़ोतरी 14 साल बाद की गई है। इससे पहले 2012 में फीस में बदलाव हुआ था।

सरकार के नोटिफिकेशन के अनुसार, अब आवेदकों को नॉर्मल कैटेगरी में पासपोर्ट बनवाने के लिए 1,000 रुपए ज्यादा देने होंगे। 36 पन्नों के नॉर्मल कैटेगरी पासपोर्ट की फीस 1,500 से बढ़कर 2,500 रुपए हो गई है। तत्काल सेवा या कैटेगरी की फीस जो पहले 3,500 रुपए थी, अब 5,000 रुपए कर दी गई है।

इसके अलावा, जो लोग ज्यादा यात्रा करते हैं और 60 पन्नों का पासपोर्ट बुकलेट चाहते हैं, उन्हें नॉर्मल कैटेगरी में 3,500 रुपए और तत्काल प्रोसेसिंग के लिए 6,000 रुपए का भुगतान करना होगा।

नॉर्मल कैटेगरी में पासपोर्ट बनवाने की फीस 2,500 हुई, 36 पेज नॉर्मल कैटेगरी में पासपोर्ट की फीस- 1,500 से बढ़कर 2,500 रुपए, 36 पेज तत्काल कैटेगरी में पासपोर्ट की फीस- 3,500 से बढ़कर 5,000 रुपए,60 पेज नॉर्मल कैटेगरी में पासपोर्ट की फीस- 2,000 से बढ़कर 3,500 रुपए

25% तक महंगा हो सकता है हवाई सफर, मैकिंजी रिपोर्ट में दावा, ज्यादातर देश रिजर्व भरने में जुटे

नई दिल्ली, 25 जून (देवव्रत संवाद)। आने वाले दिनों में हवाई सफर 25% तक महंगा हो सकता है। यह दावा ग्लोबल कंसल्टिंग फर्म मैकिंजी ने अपनी रिपोर्ट में किया है। रिपोर्ट में बताया गया कि, दुनियाभर में चल रहे जियो पॉलिटिकल तनाव और रिफाइनरी प्रोडक्शन में कमी के चलते जेट फ्यूल की सप्लाई प्रभावित हुई है, जिससे एयरलाइंस कंपनियों की लागत बढ़ गई है।

कंपनियों पर बढ़े इसी आर्थिक बोझ का सीधा असर अब आम यात्रियों की जेब पर पड़ सकता है। बता दें कि रिपोर्ट में कहा गया है कि किसी भी हवाई टिकट की कीमत का करीब 30% हिस्सा सिर्फ फ्यूल कॉस्ट की लागत का होता है।

कच्चे तेल और उससे रिफाइन होने वाले फ्यूल प्रोडक्ट्स की कीमतों के अंतर को 'क्रैक स्प्रेड' कहा जाता है। आमतौर पर जेट फ्यूल का क्रैक स्प्रेड आमतौर पर $20 प्रति बैरल या उससे कम रहता है।मैकिंजी की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2026 में इसके बढ़कर औसतन $50 प्रति बैरल से ज्यादा होने का अनुमान है। यह बढ़ोतरी एयरलाइंस कंपनियों के लिए बड़ा सिर दर्द बनने वाली है।

जेट फ्यूल की कीमतों में तेजी की मुख्य वजह कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव है। वहीं दूसरी तरफ, खाड़ी क्षेत्र और प्रमुख एशियाई देशों से होने वाले फ्यूल एक्सपोर्ट में गिरावट आई है। ये दोनों क्षेत्र मिलकर दुनिया का लगभग 40% जेट फ्यूल सप्लाई करते हैं। जियोपॉलिटिकल तनाव के बाद भारत, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने अपने ईंधन निर्यात पर आंशिक रोक लगा दी है, जिससे ग्लोबल मार्केट में सप्लाई चेन प्रभावित हुई है।रिपोर्ट के मुताबिक, संकट शुरू होने से पहले ही दुनियाभर की कई प्रमुख रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता पर काम कर रही थीं। ऐसे में अब उनके पास उत्पादन को और ज्यादा बढ़ाने की जगह नहीं बची है।

कांग्रेस ने छेड़ा 'छात्रों की गूंज' अभियान

नई दिल्ली, 25 जून (देवव्रत संवाद)।कांग्रेस ने गुरुवार को 'छात्रों की गूंज' नाम से 40 दिन का देशव्यापी अभियान शुरू किया। इसका मकसद छात्रों से जुड़े मुद्दों को उठाना है, जिनमें परीक्षा के पेपर लीक होना, भर्ती में देरी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी चिंताएं शामिल हैं। यह अभियान नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (ठरवक) ने शुरू किया है। इसमें शिक्षण संस्थानों में लोगों तक पहुंचने के कार्यक्रम, टाउन हॉल मीटिंग, लोगों से बातचीत और पर्चे बांटने जैसे काम शामिल होंगे। ठरवक नेताओं के मुताबिक, यह अभियान देश भर में 28 जगहों पर एक साथ शुरू हुआ। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम कांग्रेस के अध्यक्ष और सांसद गौरव गोगोई ने बार-बार हो रही परीक्षा की गड़बड़ियों को बड़े संस्थागत फेलियर का सबूत बताया और कहा कि सिस्टम से छात्रों का भरोसा उठ गया है।

यूजर्स का डेटा भारत से बाहर भेजने पर रोक, देश में ही स्टोर होगा रिकॉर्ड, टेलीकॉम सेक्टर में लाइसेंस राज खत्म

नई दिल्ली, 25 जून (देवव्रत संवाद)। अब आपकी प्राइवेसी और पर्सनल डेटा पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा, क्योंकि अब टेलीकॉम कंपनियों को आपके फोन, इंटरनेट इस्तेमाल और कॉलिंग से जुड़ा सभी तरह का डेटा और लॉग्स अब भारत में ही स्टोर करना होगा।

कोई भी कंपनी आपका पर्सनल डेटा देश के बाहर नहीं भेज पाएगी और न ही किसी विदेशी संस्था के साथ शेयर कर सकेगी। दरअसल, दूरसंचार विभाग ने बुधवार को टेलीकॉम कंपनियों के लिए नए नियम जारी किए हैं।

कंपनियों के लिए टेलीकॉम सेक्टर में दशकों पुराना लाइसेंस राज खत्म कर एक नया और आसान मंजूरी सिस्टम शुरू किया है। इसके साथ ही सरकार ने 'टेलीकॉम ई-सर्विसेज पोर्टल' नाम की एक वेबसाइट भी बनाई है, ताकि सारा काम डिजिटल हो सके। अब तक कंपनियों को मोबाइल या इंटरनेट सेवाएं शुरू करने के लिए सरकार से जटिल और लंबी 'लाइसेंस' प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, जिसमें महीनों लग जाते थे।फायदाः अब नए 'ऑथराइजेशन' सिस्टम से कंपनियां बहुत आसानी और तेजी से अपना काम शुरू कर पाएंगी। जब कंपनियों के लिए काम करना आसान होगा, तो आम जनता तक नई तकनीक बहुत जल्दी पहुंचेगी। साथ ही इससे

पारदर्शिता भी बढ़ेगी।जो टेलीकॉम कंपनियां पहले से काम कर रही हैं और जिनके पास पुराने सिस्टम के तहत अलग-अलग तरह के लाइसेंस (जैसे इंटरनेट या कॉलिंग के लिए) हैं, सरकार ने उन्हें भी इस नए और आसान सिस्टम में शिफ्ट होने की सुविधा दी है। इसका मतलब है कि पुरानी कंपनियों को भी अब कागजी कार्रवाई से राहत मिलेगी।

नए नियमों के तहत अब कंपनियां एक ही डिजिटल पोर्टल से नेटवर्क और इंटरनेट सर्विस के लिए एक साथ अप्लाई कर सकती हैं।फायदाः इससे कंपनियों का खर्च और भागदौड़ कम होगी। जब कंपनियों की लागत घटेगी, तो इसका सीधा फायदा ग्राहकों को मिल सकता है। बाजार में नई कंपनियों के आने से मुकाबला बढ़ेगा, जिससे आपको सस्ते और बेहतर कॉलिंग और इंटरनेट प्लान्स मिल सकते हैं।अगर आप आने वाले समय में इलॉन मस्क की स्टारलिंक या अमेजॉन जैसी कंपनियों से सीधे सैटेलाइट (बिना तार या टावर वाला डायरेक्ट इंटरनेट) लेने की सोच रहे हैं, तो सरकार ने आपकी सुरक्षा के लिए कड़े नियम बनाए हैं।फायदाः सरकार ने साफ किया है कि भारत में सैटेलाइट इंटरनेट देने वाली कंपनियों का मुख्य स्टेशन (गेटवे) भारत में ही होना चाहिए। इससे विदेशी कंपनियां आपके डेटा का गलत इस्तेमाल नहीं कर पाएंगी और देश की सुरक्षा भी बनी रहेगी।

मानसून की अनिश्चितता कृषि के साथ पेयजल का भी बढ़ा रहा संकट, बेहतर प्रबंधन की जरूरत

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के कमजोर रहने की चिंताओं के बीच देश के कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती पैदा होने की आशंका बलवती हुई है। हाल-फिलहाल बारिश में चालीस से छियालीस प्रतिशत की कमी मापी गई है। देश के मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दो जुलाई तक मानसून की सक्रियता कम रहने के अनुमान के कारण खरीफ की फसल को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार ने कम बारिश वाले 315 जिलों में से 111 ऐसे जिलों की पहचान की है, जो सूखे की दृष्टि से ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं। जो आसन्न संकट की गंभीरता को भी दशार्ता है। यह विडंबना है कि तमाम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के बावजूद आज देश में खेती की मॉनसून की बारिश पर निर्भरता बनी हुई है। यही वजह है कि मॉनसून में देरी या कम बारिश होने का सीधा असर फसल की बुवाई, खाद्यान्न की पैदावार, ग्रामीणों की आय और खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई के रूप में पड़ता है। ऐसे में यदि जुलाई व अगस्त माह के महत्वपूर्ण समय में बारिश सामान्य से कम होती है तो इसके परिणाम चिंता बढ़ाने वाले हो सकते हैं। केंद्र सरकार राज्य और जिले स्तर पर आपातकालीन योजनाएं तैयार कर रही है। सरकार सूखे में भी बेहतर उत्पादन कर सकने वाली फसलों को बढ़ावा देने के साथ ही जल संरक्षण पर जोर दे रही है। साथ ही कोशिश है कि किसानों के लिये बीज-उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। देश में दालों, तिलहन और मोटे अनाजों की खेती को प्राथमिकता देना जरूरी है, क्योंकि ये फसलें कम पानी में भी सामान्य उत्पादन दे सकती हैं। सुखद ही है कि अल नीनो मॉनिटरिंग सेल को सक्रिय किया गया ताकि कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिये रियल-टाइम सलाह किसानों को देकर सूखे के प्रभावों को कम किया जा सके। निश्चित रूप से पूरी तैयारी के साथ सूखे से मुकाबले का मतलब है कि हमने आधी लड़ाई जीत ली है।आज जरूरत इस बात की है कि सूखे की आशंका के बीच जल संकट से मुकाबले के लिये एक प्रभावी समग्र नीति बने। समय-समय पर इन नीतियों में सुधार किया जाए। जरूरी है कि जलवायु परिवर्तन संकट के दौर में मानसून के व्यवहार में अनिश्चितता के बीच खेती की बारिश पर निर्भरता को कम करने के लिये व्यापक रणनीति तैयार की जाए। इसके लिये जरूरी है कि सूक्ष्म-सिंचाई सुविधा का विस्तार, जल निकायों के पुनरुद्धार, भूजल प्रबंधन को बेहतर बनाने और जलवायु के अनुरूप खेती को बढ़ावा देने के प्रयास हों। हम मौसम के बदलते मिजाज पर हर बार प्रतिक्रिया देने के बजाय दीर्घकालिक राष्ट्रीय प्राथमिकताएं सुनिश्चित करें।

भरत तिवारी की हत्या रामराज की भेंट

• राकेश अचल

मैं भारत के उस हिस्से से आता हूँ जिसे चंबल कहते हैं. चंबल के बीहड, चंबल नदी असंख्य भरत तिवारियों के फर्जी एनकाउंटरों की चश्मदीद है. लेकिन चंबल को संतोष है कि उसकी गोद में, उसकी आंखों के सामने भरत तिवारी की तरह किसी निर्दोष को कैमरे के सामने नहीं मारा गया.

भरत तिवारी की हत्या के मामले में लिखने के लिए मुझसे मेरे सैकडों पाठकों ने आग्रह किया. आग्रह करने वालों में कुछ ब्राम्हण थे, कुछ हिंदू थे, कुछ सनातनी थे लेकिन कानून की दिन दहाडे उडाई गई धज्जियों से द्रवित कोई नहीं था. मुझे भरत को मारे जाने पर हैरानी इसलिए नहीं हुई क्योंकि बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपनी पुलिस से कहा था कि पुलिस अपराधी की जाति पूंछकर गोली मारे.

सवाल भरत तिवारी की हत्या का नहीं है. काननून और व्यवस्था का मुद्दा नहीं है. ये मुद्दा है उस रामराज का है जो त्रेता का नहीं अपितु कलियुग का है. इस नृशंस हत्या के लिए बिहार सरकार को, बिहार की पुलिस को, देश के गृहमंत्री को और प्रधानमंत्री को शर्मिंदा होना चाहिए, लेकिन कोई शर्मिंदा नहीं है.क्योंकि इस दशक में देश के नेता शर्मरोधी हैं.

दरअसल देश में भरत तिवारी की दिनदहाडे बर्दी वाले गुंडों द्वारा की गई हत्या को लेकर कोई आक्रोश है ही नहीं. सब नपुंसक शोक जता रहे हैं. देश यदि रामराज में अतीक अहमद जैसे माफियाओं की पुलिस अभिरक्षा में की गई हत्या के समय ही यदि जाग जाता तो मुमकिन है कि भरत तिवारी का नंबर आता ही नहीं.

भरत तिवारी भी सनातनी ज्वर का शिकार था. उसे लगता होगा कि बिहार में रामराज आ गया है. सरकार सनातनियों की है, पुलिस सनातनियों की है, इसलिए भला उसे कोई क्यों मारेगा? . लेकिन भरत भाजपा के रामराज में मारा गया. सनातनी किंतु बर्बर पुलिस के हाथों मारा गया. उसकी हत्या करने वालों को फांसी की सजा देने के लिए किसी शहादत की जरुरत ही नहीं. एक वीडियो ही काफी है. लेकिन इस देश की न्यापालिका भी सनातनी ज्वर से पीडित है. उसे दिन दहाडे की गई भरत तिवारी की हत्या भी बिहार के रामराज के लिए अनिवार्य, अपरिहार्य और विधि सम्मत कार्रवाई लगेगी.

सवाल किया जा रहा है कि₹भरत भूषण को पुलिस ने जब 'मानसिक अस्वस्थ' बताया था, तब एक दिन बाद ही एनकाउंटर क्यों कर दिया?₹

भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गाँव के 26 साल के युवक भरत भूषण तिवारी की 17 जून को मारा गया. पुलिस और सिस्टम के लिए ये पुलिस एनकाउंटर था जबकि सबने देखा कि न भरत ने पुलिस पर कोई गोली चलाई और न कोई प्रतिरोध किया.पुलिस के मुताबिक भरत की मौत जेरे इलाज हुई थी.

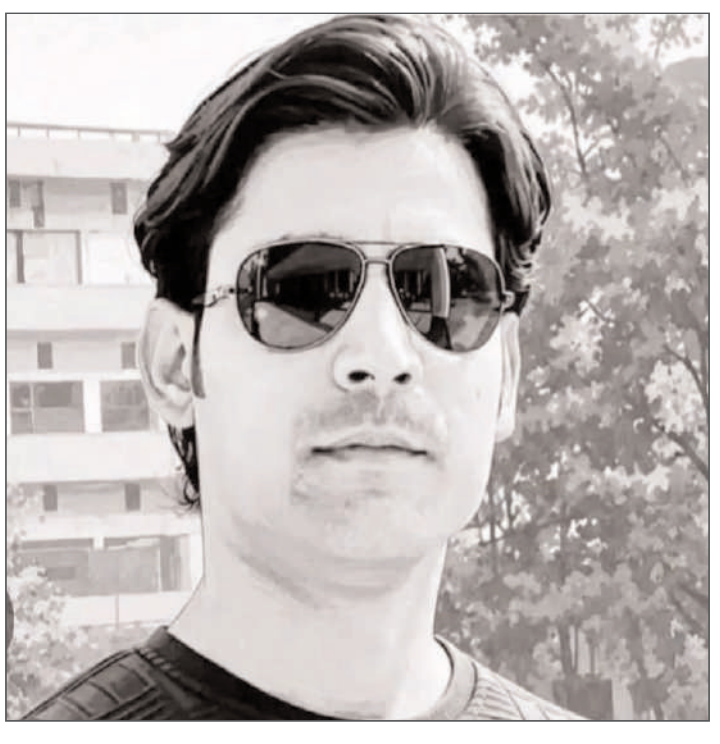

मामले में भरत की मां ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए केस दर्ज करने का आवेदन किया था.. इसी को लेकर जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा, शाहपुर थानाध्यक्ष राजेश कुमार मालाकार सहित अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है. इस मामले को लेकर भरत के गांव में महापंचायत हो रही है, जिसमें परिजनों के साथ-साथ आसपास गांव के लोग शामिल हो रहे हैं.

राजद सांसद ने कहा है कि भरत की हत्या के लिए एसटीएफ पटना से भेजी गई थी. राजद सांसद सुधाकर सिंह ने एसटीएफ एडीजी कुंदन कृष्णा पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि एनकाउंटर करने के लिए पटना से टीम भेजी गई थी. बड़ा सवाल ही उठता है कि एसटीएफ को भोजपुर भेजा किसने? सांसद ने कहा कि भोजपुर पुलिस ने भरत तिवारी का एनकाउंटर नहीं किया, पटना से जो एसटीएफ की टीम गई थी, उसी ने किया है.

चंबल मे 2006 तक आए दिन फर्जी मुठभेडें होती थीं. पुलिस निर्दोष ग्रामीणों को डाकू बताकर मार देती थी, लेकिन मरने वाले को शरण में आने के बाद भी दौडाकर मारा जाता था. उसके हाथों में लोडेड तमंचा रखा जाता था. भरत ने तो खाली तमंचा पुलिस को सौंपा था फिर भी उसे मार दिया गया.

मुझे लगता है कि भारत की नृशंस, बर्बर, हिंसक, असभ्य, अमानुषिक पुलिस को अमेरिका, इंग्लैंड की पुलिस की तरह बनाने में हमें पूरी एक सदी लगेगी. मेरे तमाम आईपीएस अधिकारी जो डीजीपी बने वे पुलिस को बाबी पुलिस बनाने का सपना देखते हुए रिटायर हो गए. भगवान जाने भारत की पुलिस कितने और भरत तिवारियों की जान लेने के बाद सभ्यता का पहला सबक सीख सकेगी.

भरत की शहादत न भारतीय जनमानस को झकझोर सकी, न सिस्टम को. न न्यायपालिका का रोम फडका और न मानवाधिकार के नाम पर रोटियां सेंकने वाले सामने आए. सबका खून ठंडा पडा है. इस समय में रेत में सिर दबाकर तूफान गुजरने की प्रतीक्षा कर रहे देश को नहीं पता कि-'कल भरततिवारी की तरह वे भी मारे जाएंगे क्योंकि देश में रामराज आया ही नहीं है. एक मायाजाल है आज का रामराज.

ये Peplum Tops देंगे फॉर्मल के साथ एकदम स्टाइलिश अंदाज

लड़कियां हमेशा ऑफिस के लुक को लेकर हमेशा टेंशन में रहती है। क्योंकि ऑफिस के कपड़ों का खासा ध्यान रखना पड़ता है।वैसे भी हम लड़कियों को अलग-अलग आउटफिट्स पहनने का काफी शौक होता है। गौरतलब है कि ऑफिस लुक के लिए बड़ी चिंता रहती है, कि ऐसा क्या पहनें कि फॉर्मल लुक भी काफी स्टाइलिश नजर आए।इस लेख में हम आपको ऑफिस के लिए पेप्लम टॉप्स के डिजाइन शेयर करने जा रहे हैं, जिन्हें आप जरुर खरीदें।

सफेद पेप्लम टॉप

ऑफिस वियर के लिए सबसे बेहतरीन ऑप्शन है, व्हाइट कलर कापेप्?लम टॉप। वैसे भी व्हाइट कलर का पेपमल टॉप आपके लुक को शानदार बना देंगे। इस तरह कापेप्लम टॉप आप ऑनलाइन खरीद सकते हैं या फिर मार्केट से भी खरीद सकते हैं।

फ्लोरल प्रिंटेड पेप्लम टॉप

आजकल फ्लोरल प्रिंटेड काफी ट्रेंडिग और इसकी फैशन कभी-भी आउट नहीं होता है, यह हमेशा ट्रेंड करता है। ऑफिस के लिए फ्लोरल प्रिंटेड पेप्लम टॉप सबसे बेहतरीन रह सकता है। ऐसे में ये लाइट ब्लू फ्लोरल प्रिंटेड पेप्लम टॉप आपके लुक को और भी स्टाइशिल बना देगा। ऑफिस के किसी भी इवेंट या फिर मीटिंग में इसको जरुर पहनें। इसको आप ऑनलाइन खरीद सकते हैं।

प्लेन और स्टाइलिश पेपलम टॉप

यदि आपको डार्क कलर पसंद हैं, तो आप इस तरह का पेप्लम टॉप पहन सकते हैं। मैरुन कलर का पेप्लम टॉप ऑफिस में पहन सकते हैं। इस तरह के टॉप आपको लुक में चार चांद लगा सकते हैं। इसको ऑनलाइन से आप खरीद सकते हैं।

स्ट्राइप्ड पेपलम टॉप

अगर आप स्टाइलिश दिखना चाहते हैं, तो डार्क ब्राउन कलर का स्ट्राइप्स पेप्लम टॉप पहन सकते हैं। वैसे यह ऑफिस वियर के लिए सबसे बेस्ट है। इसका डार्क वी-नेक डिजाइन और लंबी बेल-स्लीव्स बेस्ट हैं। यह आपके ऑफिस लुक के लिए सबसे बेहतरीन है और यह एकदम मॉर्डन लुक देता है।

ब्लेजर स्टाइल पेप्लम टॉप

ऑफिस में क्लासी दिखने के लिए आप लाइट पिंक कलर का ब्लेजर स्टाइल का पेप्लम टॉप को वियर कर सकते हैं। इसमें साइड में बांधने वाली नॉट बनी हुई है। जिससे यह आपको स्टाइलिश लुक देता है। इसकी छोटी पफ स्लीव्स और कोट कॉलर डिजाइन इसे ऑफिस के लिए फॉर्मल और ग्रेसफुल लुक देता है।

क्या आप भी रोज बनाती हैं टाइट पोनीटेल

हेयरस्टाइल किसी भी महिला के ओवरऑल लुक में काफी अहम भूमिका निभाता है। सुबह ऑफिस जाने से लेकर पार्टी तक, हम सभी तरह-तरह के हेयरस्टाइल बनाती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि अगर आप रोजाना बहुत टाइट हेयरस्टाइल बनाती हैं तो इससे आपके बालों और स्कैल्प को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। अगर आपको अक्सर सिर में दर्द होता है, हेयरलाइन पतली लगने लगी है या बाल जरूरत से ज्यादा टूट रहे हैं, तो इसकी एक वजह आपकी टाइट हेयरस्टाइल भी हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम इस बारे में जानते हैं-

टाइट हेयरस्टाइल के नुकसान

अगर हर दिन टाइट पोनीटेल, बन या चोटी बनाई जाए तो इससे कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। मसलन-

- टाइल हेयरस्टाइल से बालों की जड़ों पर लगातार खिंचाव पड़ता है। हेयर फॉलिकल्स कमजोर होने पर हेयर फॉल, बालों की धीमी ग्रोथ होने लगती है।
- ट्रैक्शन एलोपेसिया एक प्रकार का हेयर लॉस है जो बालों पर लगातार खिंचाव पड़ने से होता है। इससे माथे के पास बाल पतले होना या हेयरलाइन पीछे जाने लगती है।

सिने जगत

करिश्मा कपूर को जया बच्चन ने सरेआम कहा था बहू ,बाद में नहीं हो सकी अभिषेक से शादी

90 के दशक में बॉलीवुड पर राज करने वालीं करिश्मा कपूर आज 52 साल की हो चुकी हैं। 65 से ज्यादा फिल्मों और अनगिनत हिट्स के दम पर सुपरस्टार बनीं करिश्मा को कपूर खानदान की रीत बदलने का क्रेडिट भी दिया जाता है। उनसे पहले कपूर खानदान की महिलाओं पर फिल्मों से जुड़ने पर पाबंदी थी।

करिश्मा की कहानी सिर्फ स्टारडम की नहीं, बल्कि अधूरे रिश्तों और विवादों की भी है। कभी अक्षय खन्ना उनसे शादी करना चाहते थे। उनके पिता विनोद खन्ना ने रिश्ता भी भिजवाया, लेकिन करिश्मा की मां बबीता ने रिश्ता ठुकरा दिया। कहा जाता है कि यही वजह है कि अक्षय ने कभी शादी नहीं की।

आगे अभिषेक से उनकी शादी तय हुई और जया बच्चन ने सार्वजनिक मंच पर उन्हें बहू कहकर मीडिया के सामने इंट्रोड्यूस किया, लेकिन ये शादी भी चर्चा में रहने के बावजूद टूट गई।

करिश्मा ने 2003 में बचपन के दोस्त संजय कपूर से शादी की। हालांकि बाद में ये शादी विवादों में बदल गई। करिश्मा ने दावा किया कि हनीमून में पति संजय ने दोस्तों से उनकी बोली लगवाई। करिश्मा ने मारपीट, दहेज प्रताड़ना और टॉर्चर का आरोप लगाते हुए पति से तलाक लिया, लेकिन पूर्व पति की मौत के बाद ये रिश्ता फिर चर्चा में आ गया और आज भी उनकी 32000 करोड़ की प्रॉपर्टी पर कानूनी विवाद जारी है।

25 जून 1974 को करिश्मा कपूर का जन्म हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित परिवार के एक्टर रणधीर कपूर और एक्ट्रेस बबीता के घर हुआ। उनकी पैदाइश पर पूरा कपूर खानदान ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल पहुंचा, लेकिन दादा शो मैन राज कपूर नहीं आए। उन्होंने साफ कहा, बच्ची को देखने तब ही जाऊंगा, जब उसकी आंखें नीली हों। खुशकिस्मती से करिश्मा की आंखें गहरी नीली रहीं, हूबहू दादाजी की तरह। घर की पहली बेटी होने पर वो पूरे परिवार की चहेती रहीं।

एक समय में उनकी मां बबीता, जानी-मानी एक्ट्रेस थीं, जिन्होंने कपूर खानदान की बहू बनने के लिए एक्टिंग करियर कुर्बान कर दिया। शादी से कुछ समय पहले उन्होंने 1968 की फिल्म हसीना मान जाएगी में काम किया था। इस फिल्म की शूटिंग, बॉम्बे के बिजनेस टायकून रौनक सिंह के घर में हुई।घर में शूटिंग करते हुए बबीता की दोस्ती रौनक सिंह की बेटी रानी सिंह (बाद में कपूर) से हुई, जो आगे चलकर करिश्मा की सास बनीं। रानी उस वक्त महज 18 साल की थीं। आगे रानी सिंह ने ऑटो पार्ट के नामी बिजनेसमैन सुरिंदर कपूर से शादी की, जिससे उन्हें बेटा संजय कपूर हुआ।समय के साथ बबीता और रानी की दोस्ती गहरी होती रही। वो अक्सर साथ पार्टी करते थे, जिससे बच्चों करिश्मा, करीना, संजय और उनकी बहनों की दोस्ती भी गहरी हुई।

करिश्मा कपूर ने मुंबई के कैथेड्रेल एंड जॉन केनन स्कूल से पढ़ाई की। संजय कपूर ने शुरूआत में देहरादून के दून स्कूल से पढ़ाई की लेकिन कुछ सालों में ही उनका दाखिला करिश्मा के स्कूल में करवा दिया गया। दोनों की दोस्ती और बढ़ गई। स्कूलिंग के बाद संजय कपूर पढ़ाई करने विदेश चले गए और करिश्मा की रुचि फिल्मों में बढ़ने लगी और इस तरह दोनों की दोस्ती में दूरी आ गई। दोनों अपनी-अपनी दुनिया में व्यस्त होते चले गए।

फिल्मी दुनिया हमेशा से ही करिश्मा को अट्रैक्ट करती थी। बचपन से ही वो दादाजी राज कपूर और पिता रणधीर के फिल्मों के सेट पर जाया करती थीं। वो अक्सर दादाजी से कहती थीं, ह्यमैं भी एक दिन हीरोइन बनूंगीह्ल, इस पर राज कपूर उन्हें जवाब देते थे- 'एक्टर बनना कोई आसान काम नहीं है, अगर तुम एक्टर बनना चाहती हो, तो कांटों पर चलो और मिट्टी पर काम करो ताकि अच्छी एक्टर बन सको।एक्टर को हमेशा बेस्ट बनने का लक्ष्य रखना चाहिए।' जब एक दिन करिश्मा ने पिता रणधीर से कहा कि उन्हें हीरोइन बनना है, तो पिता ने साफ इनकार कर दिया कि कपूर खानदान की लड़कियां एक्टिंग नहीं करेंगी। लेकिन उनकी मां बबीता उनके सपोर्ट में थीं।

अल्फा जेनरेशन को भाती है अपनी कल्पना की उड़ान

• करिश्मा शर्मा

जिस अल्फा जेनरेशन के ये बच्चे हैं, वे यथार्थवादी कहानियों के मुकाबले, वे कहानियां सुनना, सुनाना चाहते हैं, जिनमें उन्हें अपने कल्पना के घोड़े दौड़ाने का भरपूर मौका मिले। जहां उनकी कल्पना की राह में कोई रोड़ा न अटका हो, जिनमें भरपूर एक्शन, एडवेंचर हो। ऐसी बातें हों, जो कभी देखी, सुनी न हों।

पिछले दिनों राष्ट्रपति भवन में दो दिन बच्चों को कहानी सुनाने और उनके साथ समय बिताने का अवसर मिला। अक्सर ऐसे कार्यक्रमों में जाना होता है जहां बहुत से बच्चे होते हैं, जिनमें दो-तीन साल के शिशु से लेकर चौदह-पंद्रह साल के बच्चे शामिल हैं। उनसे खूब बातें होती हैं। उनके साथ खेलना होता है। वे क्या पढ़ते हैं, इस बारे में भी अवश्य पूछती हूं।

ये वे बच्चे हैं, जिनके माता-पिता युवा हैं। इनमें से भी बहुतों को कहानियां सुनाई हैं। आज उनके बच्चे सामने हैं, जिन्हें अल्फा जेनरेशन कहा जाता है। इस पीढ़ी के बारे में मशहूर है कि यह तो मोबाइल फोन ही हाथ में लेकर जन्मी है। यानी कि कोई भी सूचना इनके लिए नई नहीं है।

जब हैरी पॉटर ने धूम मचाई थी, उस समय एक बड़ा लेख लिखा था कि इसकी सफलता का कारण हार्श मार्केटिंग, वर्ल्ड वाइड लांच और बुक स्टोर्स को पांच हजार पार्टियां देने के अलावा, यह भी था कि पश्चिम के बच्चे, तमाम तरह के गिजमोज और तकनीक से ऊब चुके थे। उन्हें जीवन में ऐसा कुछ चाहिए था, जिससे वे रोमांचित हो सकें।

एक जमाने में अपने यहां बाल साहित्य को लेकर दो धाराओं में काफी बहस होती रही है। एक धारा कहती थी कि बच्चों को राजा-रानी, परी कथाएं, जिनके पात्र सिर्फ परियां ही नहीं, राक्षस, बौने, जादूगर, कोई चलने वाला पेड़, कोई बोलने वाला बाघ आदि होते थे, सुनाई जानी चाहिए। दूसरी धारा कहती थी कि बच्चों को वे कहानियां नहीं सुनाई, पढ़ानी चाहिए, जिनमें चमत्कार हों। वे चमत्कार की तरफ झुकें। तरह-तरह के अंधविश्वास उनके मन में न घर करें। इसलिए उन्हें वे कहानियां दें, जो उनके दैनंदिन जीवन से जुड़ी हों। यानी कि यथार्थवादी हों। क्योंकि बच्चे किसी चमत्कार के जरिए जीवन में सफलता नहीं प्राप्त कर सकते। परिश्रम से ही उन्हें सफलता मिलती है। ये बात सच भी है कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं और कोई चमत्कार बच्चे को सफलता दिलवा सकता है। और ऐसा भी नहीं है कि बच्चे इन बातों को जानते नहीं हैं कि अगर पढ़ेंगे नहीं, तो सफल होना मुश्किल है।

अपनी नौकरी के दौरान पाया कि जब भी यथार्थवादी कहानियों पर अंक निकाले, उन्हें वह सफलता नहीं मिली जितनी कि राजा, रानी, वेद, पुराण, उपनिषद, कथा सरित्सागर, राजतरंगिणी, महाभारत, पंचतंत्र, हितोपदेश या ईसप की कथाओं को मिली। कई बार तो ऐसा हुआ कि ये अंक इतने बिके कि दोबारा छापने पड़े।

इसके अलावा दैनंदिन जीवन की कथाएं कि बच्चों के बस्ते का बोझ कितना ज्यादा है, उन्हें पढ़ने में कितनी मेहनत करनी पड़ती है, उन्हें अपने मित्रों से किस तरह के धोखे मिलते हैं, या कि किसी गरीब बच्चे के जीवन में कितनी कठिनाइयां हैं, इन्हें आम तौर पर बच्चे सुनना नहीं चाहते। इससे ये निष्कर्ष भी निकला कि बच्चे जिन आफतों को रोजमर्रा के जीवन में भुगत रहे हैं, अगर आप उनका मनोरंजन करने आए हैं और उन्हें कहानियां भी यही सुना रहे हैं, तो वे हूट कर देते हैं।

फिर जिस वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने, तार्किकता को बढ़ाने आदि की बातें की जाती हैं, उनमें एक दिक्कत यह भी है कि विज्ञान प्रति पल बदलता है। आज एक खोज कुछ कहती है, तो दूसरी खोज बिल्कुल उसके विपरीत बातें करती हैं, तो आखिर किस बात को सच माना जाए। यों भी विज्ञान को किसी रूढ़ तर्क और अर्थ में बांधा भी नहीं जाना चाहिए। फिर जिन्हें परीकथा कहा जाता है, वहां भी तर्क नहीं होता, ऐसा नहीं कहा जा सकता। जिसे फेंटेसी कहा जाता है, वहां भी किसी कहानी में अच्छाई पर बुराई की विजय नहीं दिखाई जाती। न ही यह बताया जाता है कि सच के मुकाबले झूठ बोलना कितनी अच्छी बात है या कि पर्यावरण को नष्ट करना ठीक है। अथवा किसी जीव को सताना, किसी गरीब की मदद न करना, अपने बड़ों की बात न मानना ही बढ़िया है। फेंटेसी के भी बहुत मानवीयता वाले तर्क होते हैं।

अपनी यूरोप की यात्रा के दौरान बहुत से भारतीय और विदेशी बच्चों से मिली हूं। वहां भारतीय बच्चे अपने देश के मिथकीय चरित्रों जैसे कि श्रीराम, रावण, श्रीकृष्ण, दुर्योधन, बाल गणेश, काली, बाल हनुमान, मय दानव, अंगद, बाली, शिव, पार्वती, महाभारत की कथाएं, जटायु, पंचतंत्र की जानवरों की कथाएं आदि को बहुत चाव से पढ़ते मिले। जैसे ही किसी वैज्ञानिक चीज के बारे में उनसे बात की गई, वे फौरन अपना मोबाइल दिखाकर कहने लगे कि ये बात उन्हें पहले से मालूम है। जैसे कि चांद के बारे में कहा जाता है कि वहां न आक्सीजन है, न पानी, न पेड़, पौधे, न कोई इन्सान। इसलिए इन दिनों बच्चों को चांद के बारे में यदि कोई चमत्कारिक कथा सुनाई जाए, तो वे नहीं सुनेंगे। लेकिन एक कहानी सैशन के दौरान बच्चों ने चांद के बारे मे ऐसी-ऐसी परिकल्पनाएं कीं कि लगा कि वे अब भी चांद को लेकर बहुत-सी कहानियां सुन सकते हैं, बुन सकते हैं। यथार्थ में चांद कैसा है, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

जिस अल्फा जेनरेशन के ये बच्चे हैं, वे यथार्थवादी कहानियों के मुकाबले, वे कहानियां सुनना, सुनाना चाहते हैं, जिनमें उन्हें अपने कल्पना के घोड़े दौड़ाने का भरपूर मौका मिले। जहां उनकी कल्पना की राह में कोई रोड़ा न अटका हो, जिनमें भरपूर एक्शन, एडवेंचर हो। ऐसी बातें हों, जो कभी देखी, सुनी न हों। इनके आसपास न हों। कुल मिलाकर फेंटेसी की वह दुनिया, जिसमें वे नायक की भूमिका या किसी योद्धा की भूमिका में हों। इस तरह की कहानियों में बच्चों के मस्तिष्क में कब, क्यों, कहां, किसलिए, अच्छा, ऐसा, वैसा, क्या ऐसा हो सकता है, आदि के तर्क चलते हैं। जिन भूत-प्रेतों से वे डरते हैं, आश्चर्यजनक ये है कि उन्हें इनकी कहानियां बहुत पसंद आती हैं। कई बच्चे तो इन कहानियों का अभिनय अपने घरों में भी करते हैं।

राष्ट्रपति भवन में भी कहानी सुनाते वक्त ऐसा अनुभव हुआ। यद्यपि कोई भी कहानी ऐसी नहीं होती, जिसमें बच्चों के लिए कोई संदेश न छिपा हो। लेकिन उन्हें सीधे-सीधे संदेश देने से बचा जाता है। ये कहानियों की बुनावट के अंदर ही होने चाहिए। इन दो दिनों में पहले दिन जब एक यथार्थवादी कहानी, जिसमें एक घायल बिल्ली के बच्चे की मदद और पर्यावरण तथा पानी की कमी की बात की गई थी, उसे बच्चों ने सुना तो मगर कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई। आम तौर पर कहानी सुनाते वक्त कोशिश यह रहती है कि कुछ पंक्तियां सुनाने वाला बोले, फिर कुछ बच्चे बोलें और उसे आगे बढ़ाएं, लेकिन इस कहानी को आगे बढ़ाने में बच्चों ने कम दिलचस्पी दिखाई। ये भी बताती चलूं कि इसे सुनने वाले हर उम्र के बच्चे थे। लेकिन अगले दिन एक ऐसी कहानी सुनाई जिसमें दादी बच्चों को टॉफी देना चाहती है, लेकिन एक राक्षस उसे छीनकर भाग जाता है। फिर बच्चे जादुई रस्सी के सहारे उसका पीछा करते हैं। उनकी इस यात्रा में क्या-क्या होता है। इस कहानी में बच्चे खूब उछले, कूदे। ऐसा लगा जैसे कि वे ही किसी राक्षस का पीछा कर रहे हों। कुल मिलाकर यह उनके और मेरे लिए एक मनोरंजक अनुभव था।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं,समय से पौधों का उठान कर वृक्षारोपण की तैयारी करें अधिकारी-सीडीओ

पीडीडीयू नगर(चंदौली), **25 जून (देवव्रत संवाद)**। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिला गंगा समिति,जिला पर्यावरण समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी आर जगत साई ने सभी संबंधित अधिकारियों को पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने तथा पूरी तैयारी के साथ जुटने के निर्देश दिए।मुख्य विकास अधिकारी ने सख्त लहजे में कहा कि वृक्षारोपण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।सभी विभाग समय से पौधों का उठान सुनिश्चित कर लें।उन्होंने बताया कि जिले में इसके लिए 13 विशेष साइट्स का चयन किया गया है, जिस पर खंड विकास अधिकारी और वन क्षेत्राधिकारी(रेंजर) मुख्य रूप से फोकस करेंगे।इन स्थलों को इस तरह विकसित किया जाना है कि आगामी 2 वर्षों में इन्हें पर्यटन स्थल के रूप में पहचान मिल सके। पौधों को जीवित रखने और उनके रख-रखाव(मेंटेनेंस) की पूरी जिम्मेदारी संबंधित बीडीओ की होगी।अच्छा कार्य करने वाले अधिकारियों को जिला प्रशासन की ओर से प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।बैठक में पर्यावरण को समृद्ध बनाने के लिए विभिन्न थीम आधारित वनों के विकास पर विशेष रूप से ध्यानाकर्षण किया गया।इसके तहत मिशन छाया, महर्षि चरक वन, समृद्धि वन,ऊर्जा वन, वंदे मातरम वन सभी संबंधित अधिकारियों को इन विशेष वनों के लिए अभी से मुस्तैद रहकर पौधरोपण की मुकम्मल तैयारी करने को कहा गया है।बैठक के दौरान जिला परियोजना अधिकारी दर्शन निषाद ने नगर के मुख्य एजेंडा बिंदु को समिति के समक्ष रखा।उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के रौना में प्रस्तावित 45 एमएलडी क्षमता के एसटीपी(सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट)के निर्माण की ओर ध्यान आकर्षित कराया।इस पर अधिशासी अधिकारी(पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर)और गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई के अधिकारियों ने समिति को अवगत कराया कि उक्त एसटीपी निर्माण के लिए निविदा(टेंडर) की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद धरातल पर जल्द से जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ कराना सुनिश्चित करें।

वारण्टी अभियुक्त के निवास पर दी गयी दबिश, 82 सीआरपीसी की नोटिस हुई चस्पा

पीडीडीयू नगर(चंदौली), **25 जून (देवव्रत संवाद)**। उच्चाधिकारी के निर्देशन में वाँछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे थानाध्यक्ष चन्दन कुमार राय के नेतृत्व में दिनाक 24.06.2026 को न्यायालय जे0एम0 चकिया जनपद चन्दौली से प्राप्त गिरफ्तारी 82 सीआरपीसी अधिपत्र अभियुक्त कौशर फारूखी पुत्र उर्घान फारूखी निवासी वार्ड 6 थाना सयैदराजा जनपद चन्दौली सम्बन्धित मु0अ0स0 86/2025 धारा 3/5ए/5बी/8 गोवध निवारण अधि० व ।। पशु क्रूरता अधि0 व 111(2)बीएनएस जारी किया गया था जिसके क्रम मे थाना स्थानीय से सम्बन्धित विवेचक द्वारा अभियुक्त के निवास पर दबिस दी गयी। जहाँ अभियुक्त मौजूद नहीं मिला घर पर अभियुक्त की माता शेखन खातून मौजूद मिलीं।इसके पश्चात दो स्थानीय गवाहों के समक्ष अभियुक्त के निवास के मुख्य द्वार पर धारा 82 सीआरपीसी की नोटिस चस्पा की गयी।तत्पश्चात न्यायालय परिसर एवं रेलवे स्टेशन पर भी धारा 82 सीआरपीसी की नोटिस चस्पा कर मुनादी की कार्रवाई पूर्ण की गई।कार्यवाही करने वाली टीम मेंउ0नि0 गिरीश बल्लभ शुक्ल,का0 पंकज यादव,रि0का0 अभिषेक श्रीवास्तवव रि0का0 सूरज पटेल मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने फगुइया जन चौपाल में सुनीं समस्याएं, निस्तारण के दिए कड़े निर्देश

पीडीडीयू नगर(चंदौली), **25 जून (देवव्रत संवाद)**। जनता की समस्याओं के त्वरित और मौके पर निस्तारण के उद्देश्य से जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग ने विकास खंड सकलडीहा की ग्राम पंचायत फगुइया में जन चौपाल का आयोजन किया। चौपाल के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों की एक-एक कर समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के कड़े निर्देश दिए।जन चौपाल में मुख्य रूप से बिजली,पानी, सड़क,साफ-सफाई, पेंशन,खतौनी और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े मामले सामने आए। जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग ने मौके पर मौजूद बिजली विभाग के अभियंता को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मानक रहित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और जर्जर तारों व लो-वोल्टेज की समस्या को तत्काल दूर किया जाए।इसके साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत सचिव (सेक्रेटरी)और एडीओ पंचायत को गांव में स्वच्छता अभियान को गति देने तथा विकास कार्यों में पारदर्शिता बरतने की हिदायत दी।जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर शिकायतों का ससमय निस्तारण सुनिश्चित करें।ग्राम पंचायत फगुइया में आयोजित जन चौपाल के बाद जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग ने अचानक ग्राम सचिवालय और वहाँ बनी लाइब्रेरी का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने ग्रामीण व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।जिलाधिकारी ने लाइब्रेरी में रखी किताबों के रख-रखाव, छात्र-छात्राओं के बैठने की व्यवस्था, प्रकाश(लाइटिंग) और पेयजल की सुविधाओं को देखा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान और सचिव को निर्देशित करते हुए कहा कि लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं और बच्चों के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक पुस्तकें अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएं। लाइब्रेरी नियमित रूप से तय समय पर खुले ताकि ग्रामीण युवा इसका पूरा लाभ उठा सकें।सचिवालय और लाइब्रेरी परिसर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए।ग्राम सचिवालयों में बनी लाइब्रेरी ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के भविष्य को संवारने में मील का पत्थर साबित होंगी।इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सकलडीहा कुंदन राज कपूर,खंड विकास अधिकारी,एडीओ पंचायत,ग्राम प्रधान सहित बिजली व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी,कर्मचारी/ ग्रामीण मौजूद रहे।

जिलाधिकारी के निर्देश पर कोचिंग संस्थानों, प्रतिष्ठानों एवं व्यावसायिक इकाइयों का व्यापक निरीक्षण

◆ **सुरक्षा मानकों, अग्निशमन व्यवस्थाओं एवं वैधानिक अभिलेखों की हुई जांच, अनियमितताओं पर नोटिस जारी, अवैध संचालन के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई**

भदोही, **25 जून (देवव्रत संवाद)**।जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निदेर्शों के क्रम में जनपद में संचालित कोचिंग संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, अस्पतालों, होटलों, विद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक संस्थानों में सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं की जांच हेतु विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य विभिन्न संस्थानों में सुरक्षा मानकों, अग्निशमन व्यवस्थाओं, वैधानिक अभिलेखों एवं आवश्यक सुविधाओं का परीक्षण कर विद्यार्थियों तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जनपद के सात कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्ग, पंजीकरण की स्थिति तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया गया। जांच में दो कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण अवधि समाप्त पाया गया। इस पर संबंधित संचालकों को पंजीकरण नवीनीकरण एवं वैधता के लिए तत्काल प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। अन्य सभी कोचिंग संस्थानों में व्यवस्थाएं संतोषजनक एवं नियमानुसार पाई गईं। जिला विद्यालय निरीक्षक ने स्पष्ट किया कि बिना वैध पंजीकरण अथवा नियमों के विपरीत संचालित कोचिंग संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इसी क्रम में उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी, भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीड़ा) द्वारा विभिन्न दुकानों, अस्पतालों, विद्यालयों, कालीन प्रतिष्ठानों एवं अन्य व्यावसायिक इकाइयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों, स्वच्छता व्यवस्था, अभिलेखों के संधारण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच की गई। कुछ प्रतिष्ठानों में निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं न पाए जाने पर संबंधित संचालकों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए तथा कमियों को निर्धारित समयावधि में दूर करने को कहा गया।

वहीं मुख्य अग्निशमन अधिकारी द्वारा जनपद के 20 प्रतिष्ठानों, होटलों, दुकानों एवं अन्य संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता, आपातकालीन निकास मार्ग, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था तथा अग्नि सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया।

जिला उद्योग बंधु की बैठक में अधिकारियो की अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने व्यक्त की नाराजगी

भदोही, **25 जून (देवव्रत संवाद)**। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु व व्यापार बंधु तथा निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की बैठक में कई अधिकारियो के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि अगली बार से प्रत्येक माह में दिनांक 10 से 12 के मध्य उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी सम्बन्धित अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे ताकि उद्यमियो की समस्याओ समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि बगली बार से बैठक में यदि कोई अधिकारी बिना कारण बताए अनुपस्थित रहता है तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। बैठक में ओ0डी0ओ0पी0, सीएफसी निर्माण, भारत सरकार वस्त्र मंत्रालय विन्ध्याचल, मेसर्स आरिका इण्टर प्राइजेज व विराट लैबिको के भुगतान, शहरी क्षेत्र में पेयजल की व्यवस्था हेतु खोदे गए गढ्ढे को ठीक कराने, यूको बैंक मीरजापुर को शिफ्ट करने, औद्योगिक अस्थान निर्माण, तहसील चैराहा से पाण्डेयपुर तक रोड मरम्मत कार्य, औद्योगिक स्थान चुनार पार्क का रेनोवेशन, सहित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना 2026-27 पर विस्तृत चर्चा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियो को उपरोक्त बिन्दुओ का परीक्षण कर समाधान करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में बैंको द्वारा लम्बित प्रार्थना पत्रो को प्राथमिकता पर स्वीकृत करते हुए वितरण कराना सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना 2026-27 के अन्तर्गत जनपद को शासन द्वारा 2600का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसके सापेक्ष बैंको को 1838 आवेदन पत्र आनलाइन भेजे गए है जिसमें 259 आवेदन पत्र स्वीकृत, 236 आवेदन पत्र वितरित एवं 631 आवेदन विभिन्न बैंको द्वारा निरस्त किए गए है जबकि 1000 आवेदन पत्र बैंको पर स्वीकृति हेतु लम्बित है जिलाधिकारी ने कहा कि लम्बित प्रार्थना पत्रो का परीक्षण कर पात्र स्वीकृत आवेदनो पर वितरण सुनिश्चित करे तथा जिन आवेदन पत्रो को निरस्त किया जा रहा है उसे निरस्त करने के कारण सहित सम्बन्धित आवेदनकर्ता को भी अवगत कराया जाए। बैठक निवेश मित्र योजना के प्रगति की भी समीक्षा की गई। उद्योग बंधु की बैठक के पश्चात आगामी दिनांक 29 जून 2026 दानवीर भामाशाह के जन्म दिवस को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाए जाने के सम्बंध में भी जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में व्यापारी बंधुओ व अधिकारियो के साथ बैठक कर जन्म दिवस को भव्य रूप में मनाए जाने पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि दिनांक 29 जून 2026 को विकास भवन में आयोजित दानवीर भामाशाह के जन्म दिवस के अवसर पर ओ0डी0ओ0पी0, उपायुक्त एन0आर0एल0एम0 सहित अन्य विभागो के योजनाओ के प्रचार प्रसार हेतु प्रदर्शनी/स्टाल लगाए जाए।

संभव अभियान 6.0 का अभिमुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

मीरजापुर, **25 जून (देवव्रत संवाद)**। शासन के क्रम में संभव अभियान 6.0 का अभिमुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया। जिसमें जनपद के समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी, समस्त मुख्य सेविका एवं लगभग 100 आंगनबाड़ी कार्यकत्री अभिमुखीकरण कार्यक्रम में उपस्थित रही। संभव अभियान-6.0 पूर्व की भांति माह जुलाई से सितम्बर, 2026 तक आयोजन किया जाना है, जिसकी मुख्य थीम ₹गर्भावस्था से बाल्यावस्था तक पोषण सुरक्षा₹ निर्धारित की गयी है। साथ ही गंभीर कुपोषण (सैम) एवं मध्यम कुपोषण (मैम) की रोकथाम एवं प्रबन्धन पर विशेष बल दिया जायेगा। उक्त अभियान का संचालन बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा पंचायती राज विभाग के समेकित प्रयास से किया जाना है। संभव 6.0 अभियान का प्रशिक्षण मुख्य प्रशिक्षणकर्ता राधेश्याम पाल, बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा दिया गया। जनपद के नवागत जिला कार्यकम अधिकारी दुर्गेश कुमार द्वारा अपने सम्बोधन में कहां गया कि उक्त अभियान को सफल बनाने में हमारे फील्ड के कर्मचारी यथा मुख्य सेविका एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री की मुख्य भूमिका है। आप सभी पूरे मनोयोग से अभियान को सफल बनाये, जिससे प्रदेश में जनपद की बेहतर छवि प्रस्तुत हो सके।

कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी रामनिवास सिंह, स्मृत कुमार सिंह, दिलीप वर्मा, मीना गुप्ता, रेनू पाण्डेय एवं मुख्य सेविका, नेहा गुप्ता, प्रीती, सुनीता, शीला पाल तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्री आरती, कविता, चंचल आदि उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी के कड़े निर्देश

◆ **5 वर्ष से अधिक पुराने वादों का न्यायालय आपके द्वार अभियान के तहत करें निस्तारण**

◆ **राजस्व वसूली, आईजीआरएस एवं लंबित रिट याचिकाओं के निस्तारण में तेजी लाने पर जोर**

भदोही, **25 जून (देवव्रत संवाद)**।मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर डी श्रेणी में शामिल कर-करेत्तर, लंबित रिट याचिकाओं, राजस्व कार्यों एवं राजस्व न्यायालयों से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वे अमीनवार राजस्व वसूली की साप्ताहिक समीक्षा करें तथा वसूली कार्य में तेजी लाएं। उन्होंने सभी नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सहित अन्य मदों में बकाया वसूली सुनिश्चित करते हुए जनपद की राजस्व रैंकिंग में सुधार लाया जाए।

बैठक में जिलाधिकारी ने विशेष रूप से 5 वर्ष से अधिक पुराने राजस्व वादों के निस्तारण पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि ₹न्यायालय आपके द्वार₹ अभियान के अंतर्गत स्थलीय निरीक्षण कर ऐसे मामलों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने समस्त अपर जिलाधिकारियों, उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि लंबित पुराने वादों के निस्तारण में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।धारा-67 के मामलों में एसओपी का अनुपालन सुनिश्चित कराने, आरसी वसूली शत-प्रतिशत पूर्ण कराने तथा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध लाभान्वित करने के निर्देश भी दिए गए।

आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा के दौरान असंतोषजनक फीडबैक पर संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए जिलाधिकारी ने शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण पर विशेष बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी शिकायत डिफाल्टर श्रेणी में नहीं जानी चाहिए। राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने परिवहन, आबकारी, राजस्व, नगर निकाय एवं खनन विभागों को अभियान चलाकर लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पुजारियों ने शरबत(प्रसाद) का किया वितरण

पीडीडीयू नगर(चंदौली), **25 जून (देवव्रत संवाद)**। जहां इन दिनों भीषण गर्मी के प्रकोप का असर लोगों पर काफी तेजी से पढ़ रहा है गर्मी से लोग बेहाल दिख रहे हैं और लोगों के गले भी प्यास के चलते सुख रहे हैं। जिसके बाद लोग ठंडा पानी की तलाश करते नजर आ रहे हैं।वहीं दूसरी तरफ नगर पालिका परिषद द्वारा विभिन्न जगहों पर निशुल्क प्याऊ वह ठंडा फ्रीजर की व्यवस्था की गई है जिससे कि लोगों को गर्मी से राहत मिल सके।इसी क्रम में दिन गुरुवार को जीटी रोड काली मंदिर के पुजारियों द्वारा राहगीरों में शरबत (प्रसाद)का वितरण किया गया जिसमें मुख्य रूप से मंगरु पांडेय,छन्नू माली,पीयूष,संजय गुप्ता,आयुष जायसवाल,संतोष माली,हरीप्रसाद सहित अन्य पुजारी उपस्थित रहे।वहीं इस सराहनीय कार्य की लोगों ने काफी प्रशंसा भी की।

नाले में अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी

पीडीडीयू नगर(चंदौली), **25 जून (देवव्रत संवाद)**। अलीनगर थाना अंतर्गत ग्राम महेवा के समीप एक नाले में लगभग 35 वर्षीय युवक का पड़ा हुआ शव मिला जिससे वहाँ सनसनी व्याप्त हो गई जिसके बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई।घटना की सूचना लोगों ने संबंधित पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।मृतक के गले पर चोट के निशान पाए गए जिससे ऐसा प्रतीक हो रहा था कि उसकी हत्या कर शव को वहां फेंका गया है।इस बाबत अपर पुलिस अधीक्षक सदर द्वारा बताया गया कि मामले की जांच की जा रही है।समाचार लिखे जाने तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई थी वह क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं व्याप्त रही।

कौलापुर अंडरपास के समीप दो बाइक की आमने-सामने टक्कर, चार घायल

गोपीगंज, **25 जून (देवव्रत संवाद)**। कोतवाली क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस लेन पर कौलापुर मे गुरुवार को अंडरपास के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में चार लोग घायल हो गए। हादसे में दो युवकों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, आदर्श तिवारी, 20 वर्ष, पुत्र विजय कुमार तिवारी निवासी ग्राम गिराई अपनी बहन नितिका तिवारी,14 वर्ष और कशिश तिवारी, 16 वर्ष के साथ एक ही बाइक पर दानीपट्टी स्थित अपने मामा के घर से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान कौलापुर अंडरपास के समीप सर्विस लेन पर सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई।दूसरी बाइक पर सवार विनीत कुमार पाल, 26 वर्ष, पुत्र वंशराज पाल निवासी औसानपुर गिरिया भाला चौरी ड्यूटी पर जा रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज लाया गया। चिकित्सकों ने आदर्श तिवारी और विनीत कुमार पाल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया। दोनों किशोरियों नितिका और कशिश का उपचार सीएचसी में किया गया। दुर्घटना के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।पुलिस दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

गोपीगंज में 'या हुसैन' की सदाओं के बीच निकला मोहर्रम का जुलूस, अकीदतमंदों ने पेश की श्रद्धांजलि

गोपीगंज, **25 जून (देवव्रत संवाद)**। मोहर्रम की सातवीं और आठवीं तारीख पर मंगलवार की रात गोपीगंज नगर में शोक और अकीदत का माहौल देखने को मिला। नगर में परंपरागत रूप से सातवीं मोहर्रम पर अलम तथा आठवीं मोहर्रम पर दुलदुल का जुलूस पूरे धार्मिक उत्साह एवं श्रद्धा के साथ निकाला गया। जुलूस में शामिल अकीदतमंदों ने ₹या हुसैन, या हुसैन₹ की सदाएं बुलंद कर कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।नगर के चुड़िहारी मोहल्ला स्थित अखाड़ा शेख सलामत की ओर से निर्धारित समय पर पहला जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में मेवड़ापुर और सोनिया तालाब से बज्मे सुन्नत कमेटी के अखाड़ों के सदस्य भी शामिल हुए। वहीं दूसरा जुलूस पश्चिम मोहल्ला स्थित धूम खां अखाड़ा से निकाला गया, जिसमें भगवतपुर से निकला जुलूस भी सम्मिलित रहा।ढोल-ताशों की गूंज और मातमी धुनों के बीच निकले जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद हाथों में अलम लेकर नगर भ्रमण करते रहे। नगर के सभी इमाम चौक के ताजियादार अपने-अपने अलम एवं दुलदुल के साथ जुलूस में शामिल हुए। जुलूस के दौरान विभिन्न अखाड़ों के खिलाड़ियों ने पारंपरिक फन-ए-सिपहगिरी (युद्धकला) का आकर्षक प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। पूरे मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, जिसमें नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

बिना नंबर के ट्रैक्टर-डंपर पर भदोही पुलिस सख्त,अवैध खनन में 3 ट्रैक्टर सीज

गोपीगंज, **25 जून (देवव्रत संवाद)**। थाना क्षेत्र में बुधवार की रात कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अवैध खनन के आरोप में 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज कर एक चालक को गिरफ्तार किया है। खनन विभाग की तहरीर पर गोपीगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तार चालक की पहचान रविकुमार पुत्र शेषमणि निषाद, निवासी बेरासपुर के रूप में हुई। पुलिस ने तीनों ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज कर दिया है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने बताया कि जिले में अवैध खनन पर पूर्ण विराम लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जनता की शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेकर विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। थानेदारों और चौकी प्रभारियों की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। शिकायत मिलते ही जांच कर दोषियों पर बिना संकोच सख्त कार्रवाई की जा रही है। एसपी ने कहा कि नाबालिगों द्वारा ट्रैक्टर चलाने और बिना नंबर के ट्रैक्टर-डंपर संचालन पर विशेष नजर रखी जा रही है। सुरक्षित यातायात पुलिस की प्राथमिकता है। भदोही पुलिस ने जनता से अपील की है कि अवैध खनन, बालू माफिया या किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना उच्चाधिकारियों को दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और उस पर तत्काल कार्रवाई होगी।पुलिस का कहना है कि अभियान लगातार जारी रहेगा।

उप मुख्यमंत्री जनपद भ्रमण के दौरान करेंगे मां विन्ध्यवासिनी देवी का दर्शन-प्रबुद्धजनो से करेंगे संवाद

भदोही, **25 जून (देवव्रत संवाद)**। प्रदेश के मा0 उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक जी का जनपद में भ्रमण कार्यक्रम कल दिनांक 26 जून 2026 को प्रस्तावित है। उप मुख्यमंत्री प्रातः 09:35 बजे लखनऊ हेलीकाप्टर द्वारा चलकर 10:50 बजे कोन विकास खण्ड के चेकसारी पावर हाउस मुजेहरा में टमटम अस्पातल के पास बने हेलीपैड पर पहुंचेगे। तत्पश्चात 11:05 बजे माँ विन्ध्यवासिनी देवी मन्दिर पहुंचकर मां विन्ध्यवासिनी देवी का दर्शन पूजन करेंगे। विन्ध्याचल से चलकर 11:45 बजे डॉ टमटम मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल चेकसारी पावर हाउस मुजेहरा में पहुंचकर प्रबुद्ध जनो के संवाद करेंगे। तत्पश्चात मा0 उप मुख्यमंत्री 12:20 बजे टमटम अस्पताल से निकलकर हेलीपैड मुजेहरा से हेलीकाप्टर द्वारा चलकर वाराणसी के प्रस्थान कर जायेंगे। उपरोक्त कार्यक्रम की तैयारियो के दृष्टिगत जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने हेलीपैड सहित सभी कार्यक्रम स्थलो का भ्रमण कर निरीक्षण किया तथा सम्बन्धित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय से पूर्व करने का निर्देश दिया।

पत्नी, प्रेमी और उसके साथी ने रची हत्या की साजिश, चितरंगी पुलिस ने 72 घंटे में किया अंधे कत्ल का खुलासा

सिंगरौली, 25 जून (देवव्रत संवाद)। चितरंगी पुलिस ने एक अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाते हुए 72 घंटे के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मृतक की पत्नी ने अपने प्रेमी और उसके साथी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल और अन्य साक्ष्य जब्त किए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 21 जून 2026 को ग्राम भरी निवासी 38 वर्षीय रघुनाथ उर्फ सरजू खेरवार का शव नेशनल हाईवे-39 के किनारे एक बोल्डर के पीछे संदिग्ध अवस्था में मिला था। सूचना मिलने पर चितरंगी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक 19 जून को गांव में एक शादी समारोह में जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा था।

प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना चितरंगी एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम ने मामले की गहन पड़ताल की। पूछताछ में पता चला कि मृतक और उसकी पत्नी रामकली खेरवार के बीच अक्सर विवाद होता था। इसी दौरान पुलिस को रामकली के किसी अन्य युवक से संबंध होने की जानकारी मिली।

जांच में खुलासा हुआ कि रामकली का प्रेम संबंध ग्राम मलगा निवासी नीरज कुमार साह से था। पुलिस के अनुसार रामकली ने अपने प्रेमी नीरज को बताया था कि उसका पति उनके संबंधों में बाधा बन रहा है। इसके बाद दोनों ने हत्या की योजना बनाई। 19 जून को नीरज अपने साथी सूरज सिंह गोंड के साथ

मोटरसाइकिल से भरी गांव पहुंचा और मृतक को शराब पिलाने के बहाने नेशनल हाईवे-39 के किनारे ले गया।

पुलिस के अनुसार वहां नीरज और सूरज ने रघुनाथ खेरवार के साथ मारपीट की और पत्थर से सिर पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को सड़क किनारे बोल्डर के पीछे फेंक दिया गया। घटना को अंजाम देने के बाद नीरज ने फोन पर रामकली को हत्या की जानकारी दी और अपने गांव लौट गया।

मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने 25 जून को आरोपी नीरज कुमार साह (23 वर्ष), सूरज सिंह गोंड (22 वर्ष) तथा रामकली खेरवार (30 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन तथा अन्य साक्ष्य जब्त किए गए हैं।पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 61(2) बीएनएस एवं एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(५) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में थाना प्रभारी चितरंगी निरीक्षक सुधेश तिवारी के नेतृत्व में गठित टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम में उप निरीक्षक पवन सिंह, उप निरीक्षक आर.के. वर्मा, उप निरीक्षक उमेश तिवारी, सहायक उप निरीक्षक रमेश साकेत, प्रधान आरक्षक सतीश दीक्षित, प्रधान आरक्षक संत कुमार, आरक्षक मुकेश पाण्डेय, आरक्षक सुदर्शन चौहान, आरक्षक अमलेश सिंह, आरक्षक प्रशांत केशरी, आरक्षक सुमन पटेल, आरक्षक राजेश मिश्रा एवं आरक्षक सर्वदानन्द शामिल रहे।

डीएवी रोड मस्जिद मार्केट मार्ग की बदहाली, गैस पाइपलाइन कार्य के बाद सड़क बनी मुसीबत

वैढ़न,सिंगरौली, 25 जून (देवव्रत संवाद)। शहर के प्रमुख एवं व्यस्ततम मार्गों में शामिल डीएवी रोड मस्जिद मार्केट मार्ग इन दिनों बदहाल स्थिति में है। महज एक वर्ष पूर्व निर्मित सड़क गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए की गई खुदाई के बाद पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि संबंधित संविदाकार द्वारा कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे राहगीरों और स्कूली बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे, बिखरा मलबा और बाहर निकले नुकीले लोहे के सरिए दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार इस मार्ग पर कई विद्यालय संचालित हैं, जहां प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं आवागमन करते हैं। जाम और खराब सड़क के कारण स्कूल बसों तथा विद्यार्थियों को रोजाना देरी का सामना करना पड़ रहा है।

नागरिकों का कहना है कि गैस पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क को पूर्व स्थिति में बहाल करना संबंधित ठेकेदार की जिम्मेदारी है, लेकिन अब तक केवल खानापूर्ति की गई है। सड़क के बीचों-बीच निकले सरिए और अधूरी मरम्मत के कारण आए दिन लोग चोटिल हो रहे हैं तथा किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय वार्डवासियों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि लापरवाह संविदाकार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और मार्ग का तत्काल मरम्मत कार्य कराया जाए। उनका कहना है कि निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद भी सड़क पर गड्ढे और मलबा छोड़ देना गंभीर लापरवाही है।

वहीं, नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुधार कार्य नहीं कराया गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक संज्ञान लेता है और आमजन को राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

कोचिंग संस्थानो, होटलो, गेस्ट हाउसो, लॉज में सुरक्षा मानक को शत-प्रतिशत लागू करायें अधिकारी- डीएम

गाजीपुर, 25 जून (देवव्रत संवाद)। लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में हाल ही में हुई भीषण अग्निकांड की घटना और उससे उत्पन्न जनहानि एवं जनक्षति को गंभीरता से लेते हुए, जनपद प्रशासन ने सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आज कलेक्ट्रेट सभागार में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की। बैठक जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ ईरज राजा की उपस्थिति मे सम्पन्न हुआ। बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में संचालित समस्त होटलों, लॉज, गेस्ट हाउस एवं कोचिंग संस्थानों में अग्नि सुरक्षा मानकों की अनुपालना सुनिश्चित कराना तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी रेस्पॉन्स सिस्टम विकसित करना था. ।लखनऊ की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। भीड़भाड़ वाले कोचिंग संस्थानों और होटलों में बड़ी संख्या में छात्र/अभ्यर्थी एवं पर्यटक रहते/पढ़ते हैं। यदि भवन निर्माण, विद्युत व्यवस्था, अग्निशमन यंत्र एवं निकास मार्ग मानक के अनुरूप नहीं हैं, तो एक छोटी चिंगारी भी बड़ा हादसा बन सकती है। जिलाधिकारी ने बैठक में कहा कि जनहानि की कीमत पर कोई भी विकास स्वीकार्य नहीं है। प्रशासन का दायित्व है कि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति इस जनपद में न हो। हम घटना के बाद नहीं, घटना से पहले रोकथाम पर काम करेंगे। विशेष रूप से जनपद के सभी होटल/लॉज/गेस्ट हाउस संचालकों, कोचिंग संस्थान संचालकों, को आमंत्रित किया गया था। बड़ी संख्या में प्रतिष्ठान मालिकों ने भाग लेकर प्रशासन के साथ संवाद किया। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी होटल, लॉज,

हॉस्टल एवं 100 से अधिक क्षमता वाले कोचिंग संस्थान को फायर डिपार्टमेंट से एन0ओ0सी/अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र प्राप्त करने का निर्देश दिया। भवनों में अग्निशमन यंत्र, वॉटर हाइड्रेंट, स्प्रिंकलर सिस्टम एवं फायर अलार्म लगाना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहां की सभी संस्थानों का विद्युत भार/लोड ऑडिट विद्युत विभाग से कराया जाए। ओवरलोडिंग, जर्जर वायरिंग, लूज कनेक्शन तत्काल ठीक कराए जाएं। प्रत्येक मंजिल पर एम सी बी लगाना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहां की प्रत्येक भवन में कम से कम दो स्वतंत्र निकास मार्ग/सीढ़ियां हों। निकास मार्ग पर कोई सामान, कुर्सी, साइकिल आदि न रखी जाए। ह्यह्यनिकासह्यह्य के साइनबोर्ड रात में भी दिखने वाले लगाए जाएं। सभी कर्मचारियों, शिक्षकों एवं वार्डन को फायर एक्सटिंग्विशर चलाने का प्रशिक्षण दिया जाए। कोचिंग संस्थान हॉल की क्षमता से अधिक छात्र न बैठाएं। एक कमरे में प्रति छात्र का मानक लागू होगा। कोई भी कोचिंग सेन्टर बेसमेंट मे न चलाया जाये। संस्थानो मे सीसीटीवी कैमरे 24ग7 चालू रहें, रिकॉर्डिंग सुरक्षित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी कोचिंग संस्थान मे छात्रों को अग्नि सुरक्षा एवं आपात निकास की जानकारी दिया जाये। प्रत्येक क्लास में निकास मार्ग का नक्शा चिपकाया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जान की सुरक्षा के आगे कोई समझौता नहीं होगा।

प्रशासन जनता से सहयोग की अपेक्षा करता है ताकि हम मिलकर अपने शहर को सुरक्षित बना सकें। बैठक मे मुख्य राजस्व अधिकारी सुनील कुमार त्रिवेदी, क्षेत्राधिकारी, मुख्य अग्नि शमन अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं जनपद के कोचिंग संस्थान/होटल संचालक उपस्थित थे।

कृष्ण बिहारी राय प्रदेश उपाध्यक्ष और सरोज कुशवाहा को भाजपा महिला मोर्चा का अध्यक्ष बनाए जाने पर खुशी की लहर

गाजीपुर, 25 जून (देवव्रत संवाद)। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अपने 55 पदाधिकारियों के नामों का ऐलान किया है। जिसमे प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री, क्षेत्रीय अध्यक्ष, कार्यालय के मंत्री, मुख्य वक्ता आदि का नाम घोषित किया गया है। जिले के लिए सबसे खुशी की बात रही कि भाजपा के वरिष्ठ नेता कृष्णबिहारी राय को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है और सरोज कुशवाहा को महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। सरोज कुशवाहा के अध्यक्ष और कृष्ण बिहारी राय को उपाध्यक्ष बनाये जाने पर जिले के भाजपा कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गयी। एक-दूसरे को बधाई देने के लिए लगातार संदेश भेजे जाने लगे। सरोज कुशवाहा को महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष और कृष्ण बिहारी राय को उपाध्यक्ष बनाये जाने पर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश राय, उपाध्यक्ष सुधाकर कुशवाहा, महामंत्री विष्णु सिंह, नवीन श्रीवास्तव, नगरपालिका गाजीपुर अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, अजय कुशवाहा, रामनरेश कुशवाहा, सिंहासन कुशवाहा, डा. सानंद सिंह, रामाश्रय कुशवाहा, आदि लोगों ने बधाई दी।

विनीत राय हत्याकांड का आरोपी गैंगेस्टर शंकर पांडेय के पिता रविशंकर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजीपुर, 25 जून (देवव्रत संवाद)। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान व वाँछित अपराधियों की गिरफ्तारी के तहत मुकदमा उपरोक्त की विवेचना के क्रम में हत्या के षडयंत्र के मामले से सम्बंधित प्रकाश में आये अभियुक्त रविशंकर उर्फ रविशेखर पाण्डेय पुत्र स्व० सत्यदेव पाण्डेय निवासी गौसाबाद थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर उम्र 56 वर्ष को दिनांक 25.06.2026 को गाजीपुर रेलवे स्टेशन के पूर्वी छोर से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। पश्चिम बंगाल के दमदम जेल में एनडीपीएस एक्ट में 15 वर्ष की कारावास में सजा पूरी कर जनवरी 2024 को रिहा हुआ था।

महर्षि विश्वामित्र मेडिकल कालेज गाजीपुर ने रचा इतिहास, प्रथम बैच के सभी छात्र-छात्राएं हुए पास

गाजीपुर, 25 जून (देवव्रत संवाद)।महर्षि विश्वामित्र स्वाशासीय मेडिकल कालेज गाजीपुर ने इतिहास रचा है। मेडिकल कालेज के प्रथम बैच के 99 मेडिकल छात्र शत-प्रतिशत उत्तीर्ण हो गये हैं। उत्तीर्ण मेडिकल छात्र-छात्राएं अब एक वर्ष के इंटरशिप के बाद देश और समाज की सेवा करेंगे। इस संदर्भ में मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर डा. आनंद मिश्रा ने पूर्वांचल न्यूज डाट काम को बताया कि 2021 में नीट परीक्षा से उत्तीर्ण काउंसलिंग द्वारा 100 बच्चों ने मेडिकल कालेज गाजीपुर में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए एडमिशन लिया था। कुछ समय बाद एक छात्र ने पढ़ाई छोड़ दी शेष 99 छात्रों ने अपने अध्ययन को जारी रखा। 2026 के अंतिम समेस्टर की परीक्षा देने के बाद परीक्षाफल घोषित हुआ जिसमे 99 छात्र-छात्राएं सभी उत्तीर्ण हो गये। प्रिंसिपल डा. आनंद मिश्रा ने सभी सफल छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा कि यूपी सरकार के मंश के अनुरुप उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं एक वर्ष के इंटरशिप के बाद देश-प्रदेश में अपनी स्वास्थ्य सेवाएं देंगे।

सीडीओ की अध्यक्षता में सूखा की आशंका के दृष्टिगत कृषि एवं अन्य सम्बन्धित विभागो की बैठक सम्पन्न

गाजीपुर, 25 जून (देवव्रत संवाद)। जनपद गाजीपुर में सूखे की आशंका के दृष्टिगत आज विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी आलोक प्रसाद की अध्यक्षता में कृषि और अन्य संबद्ध विभागों की बैठक की गई। बैठक में उपनिदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला

उद्यान अधिकारी, अभियंता सिंचाई, नलकूप, अग्रणी जिला प्रबंधक आदि लोग उपस्थित रहे। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद में सूखे की आशंका की दृष्टिगत संबंधित विभाग बीजों और सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें, धान की खेती के रकबे को कम किया जाए, कम अवधि की धान की फसल का चयन किया जाए, धान की सीधी बुवाई को प्राथमिकता दिया जाए, अरहर, उरद मूग का रकबा बढ़ाया जाए, नहर के टेल फीडिंग करें, कोई भी राजकीय और निजी नलकूप विद्युत या यान्त्रिक दोष से प्रभावित न हो। उन्होने पशुपालन विभाग को निर्देशित किया कि पशुओं के चार के लिए हरे चारे और भूसे की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

प्रशासन के आश्वासन के बाद अजय यादव का अंतिम संस्कार, सात संदिग्ध हिरासत में

भांवरकोल/गाजीपुर, 25 जून (देवव्रत संवाद)। थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव में हुई अजय यादव उर्फ लंगा की हत्या के मामले में पोस्टमार्टम के बाद उनका शव बुधवार रात पैतृक आवास पहुंचा। परिजनों ने उच्चाधिकारियों के मौके पर आने, हत्यारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा आरोपितों द्वारा सार्वजनिक भूमि पर किए गए कथित अतिक्रमण को हटाने की मांग करते हुए अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया।सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष संतोष कुमार राय ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे उच्चाधिकारियों को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद उपजिलाधिकारी डॉ. हर्षिता तिवारी और क्षेत्राधिकारी सुधाकर पांडेय मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के सामने परिजनों ने हत्यारों के एनकाउंटर और सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग उठाई।एसडीएम डॉ. हर्षिता तिवारी ने बताया कि तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई कर सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

जौनपुर में सेतु निर्माण का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

जौनपुर, 25 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के द्वारा जफराबाद- सुल्तानपुर-लखनऊ रेल सेक्शन पर के जौनपुर (सिटी यार्ड) उत्तर रेलवे के रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण हेतु कार्यस्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सेतु निगम की भौतिक प्रगति संतोषजनक पाई निर्देश दिया कि निर्माण के दौरान नागरिक सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिलाधिकारी द्वारा उ0प्र0 राज्य सेतु निगम लि0, सेतु निर्माण इकाई, जौनपुर के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण कार्य हेतु कार्यस्थल पर श्रमिकों की संख्या को बढ़ाते हुए सुरक्षा मानकों का अनुपालन एवं ध्यान देते हुए तीव्रगति से निर्धारित लक्षित समयावधि (माह जून, 2027) में गुणवत्तापूर्ण कार्य को सम्पादित कराया जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि यह रेल उपरिगामी सेतु पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी तथा आवागमन अधिक सुगम एवं सुरक्षित होगा।

जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिकरारा को उच्चीकृत कर 100 शैयायुक्त चिकित्सालय के रूप में विकसित किए जा रहे निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा की। इस दौरान निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति अपेक्षाकृत धीमी तथा गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के प्रति नाराजगी व्यक्त की।

3 जुलाईसे होगा आम महोत्सव

जौनपुर, 25 जून (देवव्रत संवाद)। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 सीमा सिंह राणा ने अवगत कराया कि 3, 4 एवं 5 जुलाई, को इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आम महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। आम महोत्सव के माध्यम से किसानो, निर्यातको, उद्यमियो एंव उपभोक्ताओ को एक मंच पर लाकर आम उत्पादन प्रसंस्करण विपणन एंव निर्यात को नई गति देने का प्रयास किया जायेगा। बताया गया कि उ0प्र0 देश का अग्रणी आम उत्पादक राज्य है, महोत्सव के दौरान पाँच श्रेणियों में प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी, जिनमें आम की विभिन्न प्रजातियाँ, आम आधारित संरक्षित उत्पाद, आम से बने व्यंजन, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनी तथा सर्वाधिक प्रदर्शन करने वाले बागवान शामिल हैं।

मझगवां चौहान व पेढ़ में पीएम आवास को लेकर हुई खुली बैठक

घोरावल (सोनभद्र), 25 जून (देवव्रत संवाद)। घोरावल ब्लाक क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)के स्थाई पात्रता सूची बनाये जाने को लेकर ग्राम पंचायतों में खुली बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को मझगवां चौहान में पंचायत भवन पर ग्राम प्रधान दीपक सिंह की अध्यक्षता में खुली बैठक आयोजित की गयी।

जिसमें ग्राम पंचायत अधिकारी मनोज दूबे ने आवास प्लस सर्वेक्षण 2024 की स्थाई पात्रता सूची को पढ़ कर सुनाइए। जिला विकास अधिकारी हेमंत कुमार तथा उपयुक्त श्रम रोजगार मनरेगा रविंद्र वीर यादव ने कहा कि सरकार के इस अति महत्वाकांक्षी योजना का लाभ पात्र व्यक्तियों को पारदर्शिता के साथ मिलेगा। यहां कुल 65 व्यक्तियों का नाम स्थाई पात्रता सूची में शामिल हैं।

इसी प्रकार ग्राम पंचायत पेढ़ में भी पीएम आवास योजना (ग्रामीण) की स्थाई पात्रता सूची बनाए जाने को लेकर ग्राम प्रधान सरिता देवी की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई। इसमें उपस्थित खंड विकास अधिकारी नितिन कुमार एवं ग्राम विकास अधिकारी विपिन सिंह ने ग्रामीण जनों को सूची के माध्यम से बताया कि यहां कुल 584 व्यक्तियों का नाम आवास प्लस सर्वेक्षण 2024 की सूची में सम्मिलित किया गया है। यदि जिसे किसी तरह की आपत्ति हो इसके लिए मौका दिया जा रहा है। जिसका निस्तारण पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। बैठक में भारी संख्या में ग्रामीण जन आदि मौजूद रहे।

खाखन पुल के पास फिर हुआ बड़ा हादसा, लोगों में आक्रोश

सिंगरौली, 25 जून (देवव्रत संवाद)। जिले के जोगनी स्थित खाखन पुल (एनएच-39) के पास एक बार फिर सड़क दुर्घटना होने की सूचना सामने आई है। लगातार हो रहे हादसों के कारण क्षेत्रीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों, ओवरलोड परिवहन और यातायात नियमों की अनदेखी के चलते आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से खाखन पुल और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा उपाय बढ़ाने, स्पीड कंट्रोल के लिए आवश्यक संकेतक एवं स्पीड ब्रेकर लगाने तथा नियमित यातायात जांच अभियान चलाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में और भी गंभीर हादसे हो सकते हैं।गौरतलब है कि जियावन थाना क्षेत्र अंतर्गत जोगनी स्थित यह मार्ग पहले भी कई दुर्घटनाओं के कारण चर्चा में रहा है। लगातार हो रहे हादसों के बाद अब क्षेत्रवासी सवाल उठा रहे हैं कि आखिर इन घटनाओं पर अंकुश कब लगेगा।

28 जून से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान, सिंगरौली में 2.12 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी खुराक

सिंगरौली, 25 जून (देवव्रत संवाद)। पोलियो उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन 28 से 30 जून 2026 तक किया जाएगा। अभियान के तहत जिले के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 2 लाख 12 हजार बच्चों को पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा अभियान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। अभियान के प्रथम दिन 28 जून को जिले भर में स्थापित पोलियो बूथों पर बच्चों को ह्यदो बूंद जिंदगी कीह्व पिलाई जाएगी। इसके बाद 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर ऐसे बच्चों को दवा देंगी जो पहले दिन किसी कारणवश छूट गए हों।स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं। अधिकारियों ने बताया कि नियमित टीकाकरण कराने वाले बच्चों को भी अभियान के दौरान पोलियो की अतिरिक्त खुराक दी जाएगी, जिससे उन्हें पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से पूर्ण सुरक्षा मिल सके।मध्य प्रदेश सहित पूरे देश में एक साथ चलाए जाने वाले इस अभियान का उद्देश्य पोलियो मुक्त भारत की उपलब्धि को बनाए रखना तथा बच्चों को आजीवन सुरक्षित रखना है।

जिला शिक्षा अधिकारी एस.बी. सिंह का तबादला, कविता त्रिपाठी को मिला अतिरिक्त प्रभार

सिंगरौली, 25 जून (देवव्रत संवाद)। जिला शिक्षा विभाग में प्रशासनिक फेरबदल के तहत प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) सिंगरौली श्री एस.बी. सिंह का स्थानांतरण कर उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय शहडोल में पदस्थ किया गया है। वहीं सुश्री कविता त्रिपाठी, सहायक संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सिंगरौली को जिला शिक्षा अधिकारी सिंगरौली का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सिंगरौली द्वारा 24 जून 2026 को जारी आदेश के अनुसार, स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल के आदेश के परिपालन में यह प्रशासनिक व्यवस्था लागू की गई है। आदेश में बताया गया है कि श्री एस.बी. सिंह, जो उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एवं प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी के रूप में कार्यरत थे, उन्हें प्रशासनिक आधार पर शहडोल स्थानांतरित किया गया है।आदेश के अनुसार, सुश्री कविता त्रिपाठी ने 24 जून 2026 को जिला शिक्षा अधिकारी सिंगरौली के अतिरिक्त प्रभार पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इसके साथ ही श्री एस.बी. सिंह को उसी दिन अपराह्न में उनके नवीन पदस्थापन स्थल शहडोल के लिए कार्यमुक्त कर दिया गया। कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। शिक्षा विभाग में हुए इस बदलाव को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सफाईकर्मी के निधन पर जाताया शोक

शाहगंज, सोनभद्र, 25 जून (देवव्रत संवाद)। घोरावल ब्लाक क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत ढुटेर में सफाई कर्मचारी के पद पर तैनात लाल बहादुर के असामयिक निधन से विभाग के साथ ही ग्रामीणजनों में शोक व्याप्त है। ग्राम प्रधान सुरसती, प्रधान प्रतिनिधि गुलाब सिंह चौहान, पूर्व प्रधान रामजीत मौर्य, वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानदास कनौजिया, राकेश कनौजिया सहित विजय मौर्य, रामानंद मौर्य, विजय चौहान, सुनील पटेल, नन्हकू सेठ, अजय चौहान, सुधेन्द्र पाण्डेय, सफाई कर्मी बबुंदर मौर्य, रमा शंकर पटेल, अनिल चौहान के अलावा वार्ड सदस्यों व ग्रामीणजनों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मृतक आत्मा की शांति व शोकाकुल परिजन को आत्मबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। इधर ग्राम पंचायत विकास अधिकारी प्रमोद कुमार, क्षेत्रीय लेखपाल गोपेंद्र पाण्डेय, प्रधानाध्यापक यतिनंदनलाल, रिजवान अहमद, सहायक अध्यापक राजकुमार, खड़कवीर सिंह, मनोज कुमार सिंह, पंचायत सहायक प्रतिक्षा, रोजगार सेवक आनन्द मौर्य, आदि ने भी शोक संवेदना व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि स्वर्गीय लाल बहादुर मिलनसार और मृदुभाषी थे। लंबे समय तक ढुटेर गांव में अपने दायित्वों का निर्वहन किया।

किसी वाहन या आटो बाईक में भिड़त से दो घायल

केकराही, सोनभद्र, 25 जून (देवव्रत संवाद)। कोतवाली क्षेत्र के हिंदुआरी चौकी के हिंदुआरी पुल के समीप आटो बाइक में भिडंत होने से बाईक सवार दो यूवक गम्भीर रूप से घायल हो गए।पुलिस व स्थानीय लोगों की सहायता से जिला अस्पताल भेज दिया गया है। हिन्दू आरी चौकी प्रभारी अनिल विश्वकर्मा ने बताया कि युवक घायल कुछ बोलने के स्थिति में नहीं है। घायल युवकों के फोन से घर वालों को सूचना देने का प्रयास जारी है फोन अभी तक उठा नहीं है।घायलों को जिला अस्पताल भेजा जा रहा है।घटना किसी वाहन की टक्कर से हुई है या फिसल कर गिरने से स्पष्ट नहीं हुआ है।जैसे ही कोई सूचना मिलती है बता दिया जाएगा। उपस्थित लोगों के अनुसार घायलों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। जानकारी होने पर प्रभारी निरीक्षक हिंदूवारी अनिल कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि बबुंदर उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र बंसी निवासी खाचार एवं दूसरा मुन्ना 48 वर्ष पुत्र प्रभु निवासी नरोखर दोनों को जिला अस्पताल भेजा गया गंभीर अवस्था में जहां मुन्ना पुत्र प्रभु को देखते ही डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया है। और बबुंदर का उपचार चल रहा है मृतक का शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।परिवार के लोग आ गए है।

संचारी रोग नियंत्रण के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

गाजीपुर, 25 जून (देवव्रत संवाद)। विगत वर्षो की भाति वर्ष 2026 में संचारी रोगो की रोगथाम एवं नियन्त्रण हेतु दिनांक 01.07.2026 से 31.07.2026 तक (द्वितीय चरण) के सफल क्रियान्वयन हेतु आज दिनांक 25.06.2026 को विभाग के सभी क्षेत्रीय कार्मिकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कृषि भवन सभागार में आयोजित किया गया। जिला कृषि रक्षा अधिकारी, गाजीपुर उमेश कुमार ने क्षेत्रीय कर्मचारियो को चूहे एवं छछूंदर के माध्यम से फैलने वाले रोगो से अवगत कराया उन्होने कहा कि यह कार्य जनसामान्य के सहयोग के बिना सम्भव नही है। सभी कर्मचारी अपनी-अपनी न्यायपंचायत में छोटी-छोटी गोष्ठिया कर किसानो को चूहा एवं छछूंदर को नियन्त्रित करनें एवं मच्छररोधी पौधे जैसे लेवेण्डर, नीम, तुलसी, लेमनग्रास व गेंदा लगाने के प्रचार-प्रसार करे। संचारी रोगो की रोगथाम एवं नियन्त्रण हेतु जागरूकता पर बल देते हुए कृषको /जनसामान्य को चूहे / छछूंदर का नियन्त्रण के लिए प्रेरित किया जाय। संचारी रोगो के प्रसार के लिए चूहा एवं छछूदर भी उत्तरदायी है, जिसके रोक थाम के लिए घरो में जिंक फास्फाइड 80 प्रतिशत की 1 ग्राम की मात्रा को 48 ग्राम भूने हुए चने को सरसों के तेल में बनाये गये चारे को बिल में रखने से चूहे खाकर मर जाते है। एल्यूमिनियम फास्फाइड 56 प्रतिशत की 3-4 ग्राम की मात्रा को बिल में डालकर बिल को बन्द कर देने से उससे निकलने वाली फास्फीन गैस से भी चूहे मर जाते है, प्रशिक्षण में राज नाथ सिंह यादव, व०प्रा०स० ग्रुप-बी/प्रभारी वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-ए, अशोक कुमार वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-बी (कृ०र०) एवं समस्त विकासखण्ड स्तरीय सहायक विकास अधिकारी कृषि / कृ०र० तथा समस्त क्षेत्रीय कर्मचारी मौजूद थे संचारी रोगो की रोगथाम एवं नियन्त्रण के सम्बन्ध में अपना-अपना मत रखे ।

हत्या के मामले में पति और सास को आजीवन कारावास की सजा

2 लाख रुपए और बुलट मोटरसाइकिल दहेज में मांग को लेकर मृतका संजू यादव को किया जा रहा था प्रताड़ित

मऊ, 25 जून (देवव्रत संवाद)। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट नंबर एक दीप नारायण तिवारी ने दहेज को लेकर विवाहिता संजू यादव की गत 9 वर्ष पूर्व हुई हत्या के मामले में नामजद पति और सास को सुनवाई के बाद दोषी पाया। दोषी पाए जाने के बाद दोनों को आजीवन कारावास की सजा के साथ ही कुल 31-31 हजार रुपए अर्थदंड लगाया। अर्थदंड न देने पर 3 -3 वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वही अर्थदंड जमा हो जाने पर 50 हजार रुपए मृतका संजू यादव के भाई बबलू यादव को देने का आदेश दिया। मामला चिरैयाकोट थाना क्षेत्र का है।

अभियोजन के अनुसार गाजीपुर जनपद के सादियाबाद थाना क्षेत्र के नेवादा दुर्ग विजय राय गांव निवासी बबलू यादव पुत्र रामवृक्ष यादव की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई। वादी का कथन था कि उसकी बहन संजू यादव का विवाह वर्ष 2017 में चिरैयाकोट थाना क्षेत्र के जसड़ा खिलवा गांव निवासी राजेश उर्फ अक्षत राज यादव पुत्र पब्बर यादव के साथ हुई थी। आरोप है कि आरोपीगण दहेज में 2 लाख रुपए और बुलेट मोटरसाइकिल की मांग को लेकर मृतका संजू यादव को प्रताड़ित करते थे। तथा 17 जुलाई 2017 को संजू यादव की हत्या कर दिए। पुलिस ने मामले की विवेचना कर पति राजेश उर्फ अक्षत राज यादव और सास लीलावती देवी के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। न्यायालय में अभियोजन की ओर से पैरवी करते हुए एडीजीसी फौजदारी राजेश पांडेय ने कुल 7 गवाहो को पेश कर अभियोजन का पक्ष रखा। बचाव पक्ष से कहा गया कि उन्हें झूठा फसाया गया है। लीलावती देवी व मृतका के बीच मारपीट हुई थी, इसी दौरान उसका पल्लू खीच जाने से उसकी मौत हो गई। एडीजे ने दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने तथा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद आरोपी पति राजेश उर्फ अक्षत राज यादव व सास लीलावती देवी को हत्या, दहेज हत्या, प्रताड़ना व दहेज की मांग के मामले में दोषी पाया। दोषी पाए जाने के बाद दोनों को हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा के साथ ही 10-10 हजार रुपए अर्थदंड लगाया। प्रताड़ना के मामले में 3-3 वर्ष की सजा के साथ ही एक - एक हजार रुपए अर्थदंड लगाया। दहेज लेने के मामले में 5 वर्ष की सजा के साथ ही 15-15 हजार रुपए अर्थदंड तथा दहेज की मांग के मामले में 1-1 वर्ष की सजा के साथ ही 1-1 हजार रुपए अर्थदंड लगाया।

अर्थदंड न देने पर 3-3 वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। वहीं अर्थदंड जमा हो जाने पर 50 हजार रुपए वादी मुकदमा बबलू यादव को देने का आदेश दिया।कोर्ट की टिप्पणी -जब कोई घटना किसी व्यक्ति के अधिभोगी परिसर में होती है तो बाहर का कोई तीसरा व्यक्ति कदाचित ही साक्षी बनने के लिए तैयार होगा, वैसे भी केवल मृतक / आहत का रिश्तेदार होना ही मामले को परित्यक्त करने का कदापि आधार नहीं हो सकता है। मामले में घटना अभियुक्तगण के घर के चाहरदीवारी के अन्दर हुई है, जिसके अन्दर आम आदमी या गाँव के किसी स्वतन्त्र व्यक्ति की पहुँच होना लगभग असंभव है। फरियादी एवं उसके घर के अन्य सदस्यों, जिनके द्वारा अपनी पुत्री/बहन का विवाह उस घर में किया गया था, ऐसी स्थिति में मौके पर उनका पहुँचना तथा घटना की परिस्थितियों को देखना उनके अलावा किसी अन्य व्यक्ति के लिए आसानी से सम्भव नहीं था। इस तरह परीक्षित तीनों साक्षीगण घटना के प्राकृतिक साक्षी है जिनके साक्ष्यों पर अविश्वास किये जाने का कोई आधार नहीं है। अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्षीगण के स्वरूप को देखा जाये तो बचावपक्ष की ओर से उठाया गया यह तर्क कि प्रकरण में स्वतंत्र साक्षी प्रस्तुत नहीं किए गए है तथा केवल रिश्तेदार साक्षीगण को जानबूझकर प्रस्तुत किया गया है का तर्क अस्वीकार किया जाता है। अभियुक्तगण ने दो लाख रुपए एवं बुलेट मोटरसाइकिल दहेज की माँग के कारण मृतका के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार करते हुए मारपीट कर उसकी दहेज हत्या एवं साशय हत्या कारित किये हैं।

निर्जला एकादशी पर सरयू में लोगों ने लगाई डुबकी, किया गो दान

दोहरीघाट (मऊ), 25 जून (देवव्रत संवाद)। निर्जला एकादशी पर्व पर गुरुवार को सरयू नदी में हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। कस्बे के रामघाट पर भोर से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई जो दोपहर तक बनी रही। हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने सरयू नदी में स्नान करने के बाद घाट पर पूजा-अर्चना की। मंत्रोच्चार के बीच हवन में आहुतियां अर्पित की गईं। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। महिलाएं सरयू माता को हलवा पूड़ी का भोग लगा कर परिवार के सुख समृद्धि की मन्नते मांगते हुई दिखाई दी।निर्जला एकादशी पर कस्बे के सरयू नदी के रामघाट पर तड़के से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया।

संकलित नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत होगी विधिक कार्रवाई

मऊ, 25 जून (देवव्रत संवाद)। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा जिलाधिकारी के निदेशों के अनुपालन में जनपद में संचालित थोक औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों एवं गोदामों के सघन निरीक्षण एवं सत्यापन का अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों द्वारा औषधि अनुज्ञप्ति की शर्तों का अनुपालन, औषधियों के सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था तथा अभिलेखों की उपलब्धता करना है।

इसी क्रम में औषधि निरीक्षक द्वारा मेसर्स सोनू मेडिकल एजेंसी, भातकोल मोड़, खुरहट, मऊ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान फर्म स्वामी एवं औषधि विक्रय हेतु अनुमोदित व्यक्ति नारायण यादव उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के समय फर्म द्वारा विक्रय की जाने वाली औषधियों से संबंधित आवश्यक अभिलेख एवं अनुभव प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराए गए। साथ ही औषधियों के क्रय-विक्रय से संबंधित अभिलेखों तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों में कमियां पाई गईं।

निरीक्षण के दौरान दो संदिग्ध औषधियों के नमूने परीक्षण हेतु संकलित किए गए। इसके अतिरिक्त औषधियों के क्रय संबंधी बीजक नियमानुसार उपलब्ध न होने तथा औषधियों के भंडारण के लिए आवश्यक तापमान व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पाए जाने पर फर्म स्वामी को आवश्यक निर्देश दिए गए। वर्तमान मौसम में उच्च तापमान को देखते हुए औषधियों के मानक अनुरूप सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

फर्म स्वामी को संबंधित अभिलेख, क्रय-विक्रय बीजक एवं आवश्यक प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रतियां साक्ष्यों सहित पांच कार्यदिवस के भीतर कार्यालय में प्रस्तुत करने का निर्देश दिए। साथ ही प्रतिष्ठान पर औषधि अनुज्ञप्ति का नियमानुसार प्रदर्शन करने को कहा गया है।

औषधि निरीक्षक ने बताया कि निरीक्षण आख्या अग्रिम कार्रवाई हेतु औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी (विक्रय), आजमगढ़ मंडल को प्रेषित की जा रही है।

उच्च गुणवत्ता युक्त सब्जी पौधा उपलब्ध कराने की पहल, किसान समय से कराएं बुकिंग

विभागीय बीज से तैयार होने पर 2.70 रुपए प्रति पौधा तथा किसान द्वारा स्वयं बीज उपलब्ध कराने पर 1.40 प्रति पौधा की दर से कराई जाएगी उपलब्ध

मऊ, 25 जून (देवव्रत संवाद)। जनपद में उच्च गुणवत्ता युक्त सब्जियों की खेती को बढ़ावा देने एवं किसानों को स्वस्थ एवं रोगमुक्त पौधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राजकीय अलंकृत उद्यान, चन्द्रभानपुर स्थित मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आधुनिक इजरायली तकनीक के माध्यम से सब्जियों की पौध तैयार की जा रही है।

उद्यान विभाग के अनुसार कद्दूवर्गीय सब्जियों की पौध 25 से 28 दिन तथा अन्य सब्जियों की पौध 30 से 32 दिन में तैयार की जाती है। किसान स्वयं का बीज उपलब्ध कराकर अपनी इच्छित फसल की पौध तैयार करा सकते हैं अथवा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली रोगमुक्त एवं स्वस्थ पौध प्राप्त कर सकते हैं। विभागीय व्यवस्था के तहत टमाटर, मिर्च, बैंगन, फूलगोभी एवं पत्तागोभी जैसी सोलानेसियस एवं क्रूसीफेरी वर्ग की सब्जियों के लिए किसानों को मात्र 2 रुपए प्रति पौध की दर से बुकिंग करानी होगी। विभागीय बीज से तैयार पौध की दर रुपए 1.75 प्रति पौध निर्धारित की गई है। इसी प्रकार करेला, लौकी, कद्दू, खरबूजा, तरबूज एवं तोरई जैसी लतावर्गीय सब्जियों की पौध विभागीय बीज से तैयार होने पर रुपए 2.70 प्रति पौध तथा किसान द्वारा स्वयं बीज उपलब्ध कराने पर रुपए 1.40 प्रति पौध की दर से उपलब्ध कराई जाएगी।

उद्यान विभाग ने किसानों से अपील किया कि आगामी मौसम में संकर सब्जियों की खेती के लिए समय से बीज उपलब्ध कराकर पौध की बुकिंग सुनिश्चित करें। इससे खेतों में रोगग्रस्त पौध तैयार होने की समस्या से बचाव होगा तथा स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण पौध प्राप्त होने से उत्पादन एवं आय में वृद्धि होगी।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि आधुनिक तकनीक से तैयार पौधों में कम वानस्पतिक वृद्धि के साथ शीघ्र फलन प्रारंभ होता है तथा प्रति हेक्टेयर पौधों की संख्या अधिक होने से कुल उत्पादन में भी वृद्धि होती है। किसानों की मांग के अनुसार वर्ष भर विभिन्न समय पर पौध उत्पादन कर उपलब्ध कराया जा सकता है।

जनपद के समस्त कृषक बंधुओं से नवीन तकनीकों को अपनाकर अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु उद्यान विभाग से संपर्क करने की अपील की गई है।

संपर्क सूत्रः 9151066856, 8009664663, 8112529598, 9984802065, 9565993738।

डीजल चोरी के प्रयास में ट्रक ड्राइवर को गोली मारने वाले 4 बदमाश पुलिस मुठभेड़ मे गिरफ्तार

मऊ, 25 जून (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर के निर्देशन में अपराध/अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार के पर्यवेक्षण में सीओ घोसी व थाना दोहरीघाट पुलिस टीम ने दिनांक 22/23 जून की रात में बसारतपुर हाइवे के किनारे खड़ी ट्रक से तेल चोरी के प्रयास में ट्रक चालक को गोली मारने की घटना का अनावरण किया। पुलिस वारदात में शामिल 4 अभियुक्तों को मुठभेड में गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से तमंचा कारतूस व घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया।

बता दे कि दिनांक 22/23 जून की रात्रि में बसारतपुर हाइवे के किनारे गाड़ी खड़ी करके ट्रक ड्राइवर आराम कर रहे थे। उसी समय ट्रक से चार पहिया सवार बदमाश ट्रक से तेल चोरी करने के प्रयास मे असफल होने पर ट्रक ड्राइवर को गोली मार दी। वादी की तहरीर पर दिनांक 23 जून को मु0अ0सं0 133/2026 घापा 109(1) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत कर विवेचना तथा पतारसी- सुरागरसी प्रारम्भ की गई। बृहस्पतिवार को अभियुक्तो की गिरफ्तारी के प्रयास के क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना दोहरीघाट को सूचना दी। बताया कि कुछ बदमाश वाहनों से घोसी की तरफ से ट्रको से तेल चोरी के उद्देश्य से आ रहे है। इन्हीं लोगो ने 22/23 जून की रात्रि बसारतपुर हाइवे किनारे खडे ट्रक से तेल चोरी करने के प्रयास में ड्राइवर को गोली मारी गई थी। इस सूचना पर पुलिस द्वारा वाहनों की चेकिंग प्रारम्भ की गई तो 02 वाहनों में सवार बदमाशों को रोकने का प्रयास किया तो बदमाशों द्वारा पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायर किया. पुलिस की जबाबी कार्यवाही में उक्त अभियुक्त के पैर में गोली लगी जिससे वह घायल हो गया। पुलिस घायल बदमाश सहित 04 बदमाशों को पकड़ लिया तथा 03 भागने में सफल रहे। घायल बदमाश उपेन्द्र राजभर पुत्र सुभाष राजभर निवासी शत्रुधनपुर थाना चौरी चौरा जनपद गोरखपुर है। वही उपेन्द्र राजभर पुत्र सुबाष राजभर निवासी शत्रुघ्न पुर थाना चौरा चौरी, त्रिपेश दूबे पुत्र घनश्याम दूबे निवासी भोपा बाजार, धीरज पुत्र राजकुमार निवासी मटियारा थाना बिदनू जनपद कानपुर हाल पता रामनगर करजहाँ थाना खोराबार जनपद गोरखपुर, उर्फ बाबूलाल पासवान पुत्र वंशु पासवान निवासी रामनगर करजहा धूसी टोला थाना खोराबा जनपद गोरखपुर शामिल है। मामले में वांछित अभियुक्तगण अजू पुत्र अज्ञात निवासी मुंडेरा बाजार थाना चौरी चौरा, आदित्य जायसवाल पुत्र अज्ञात निवासी मुंडेरा बाजार थाना चौरी चौरा, कृष्णा गौंड पुत्र अज्ञात निवासी युसुफपुर थाना रामपुर, मोनू उर्फ श्यामसूरत पासवान पुत्र रमाशंकर निवासी ग्राम राजधानी थाना झगहा जनपद गोरखपुर के है। अभियुक्तगण के पास से तमंचा, कारतूस और घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद हुआ।

यातायात नियमों का पालन न करने पर 529 वाहनों का चालान, 02 वाहन सीज

मऊ, 25 जून (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर के निर्देशन में बृहस्पतिवार को जनपद के समस्त थाना क्षेत्रान्तर्गत संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनो व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत 33 टीम गठित कर जनपद के 38 स्थानों पर बदल बदलकर लगभग सदिग्ध वाहनो/व्यक्तियो को चेक किया। जिसमें यातायात नियमों का पालन न करने पर 529 वाहनों को विभिन्न धाराओ में चालान एवं 02 वाहन को सीज किया। साथ ही अन्य लोगों को हिदायत दी गयी तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु वाहन चालकों को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील किया कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें एवं गलत स्थानो पर पार्किंग नही करे तथा सुरक्षित यातायात में सहयोग प्रदान करें।

जल संकट और निकास से जूझ रही रही थारु बस्ती

मऊ, 25 जून (देवव्रत संवाद)। नगर में स्थित मलीन थारु बस्ती वर्षों से लगातार पानी के संकट और नाली न होने के कारण जल निकास की समस्या से जूझ रही है। गर्मी के दिनों में जल समस्या जहां विकराल रूप ले लेती है, वही बरसात में पूरी बस्ती चारो तरफ से जलमग्न हो जाती है। जनप्रतिनिधियों को इस दिशा में तत्पर प्रयास करना होगा अन्यथा बस्ती के लोग आंदोलन के लिए विवश होंगे। कोशिश प्रमुख पुरुषार्थ सिंह ने गुरुवार को यह उदगार व्यक्त किया। समाजसेवियों के दल के साथ वह थारु बस्ती का भ्रमण कर रहे थे।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता, समाजसेवी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्षों से यह समस्या होने के कारण बस्ती के अधिकांश लोग जलजनित रोगों का शिकार हो गए हैं।

इस दिशा में समाधान के लिए स्थानीय सभासद व नगरपालिका से संपर्क किया जाएगा। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोधार्थी अमन प्रताप सिंह ने कहा कि इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास प्रभावित हो रहा है।इस दौरान विजय मिश्र, श्रवण थारु, सुमन, सुभाष, श्री किशुन, महरुना आदि लगे रहे।

रास्ते के विवाद में सजायाफ्ता चचेरे भाई को युवक ने मारी गोली, रेफर

हलधरपुर, 25 जून (देवव्रत संवाद)। थाना क्षेत्र के अइलख गांव में बृहस्पतिवार की सुबह नौ बजे रास्ते के विवाद में प्रवीण सिंह ने चचेरे भाई तेज प्रताप सिंह (40) को अपनी लाइसेंसी पिस्तौल से गोली मार दी। गोली उसके पेट में लग गई और लहुलुहान होकर वो खेत में गिर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस की सहायता से परिजनों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुरा में भर्ती कराया। हालत गंभीर देख प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। वहां से परिजन वाराणसी ट्रामा सेंटर लेकर चले गए। पुलिस ने तेज प्रताप सिंह के भाई वीर प्रताप सिंह की तहरीर पर पुलिस ने प्रवीण सिंह के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। ग्रामीणों के अनुसार प्रवीण सिंह और उसेक चाचा हरिशंकर सिंह के बीच 17 साल से जमीन का विवाद है और कोर्ट में मुकदमा चलता है। इसी मुकदमे की पैरवी करके 10 साल पहले प्रवीण सिंह के पिता बब्बन सिंह कचहरी से घर जा रहे थे। शाम को जीप से बेलौझा बाजार में उतरकर जैसे ही कुछ दूरी पर कुड़वा बारी मौजा में पहुंचे, कुछ बदमाशों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। जांच के बाद पुलिस ने बब्बन सिंह के सगे भाई हरिशंकर सिंह और भतीजे तेज प्रताप सिंह को आरोपी बनाया और गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने दोनों पिता पुत्र को हत्या में दोषी पाया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। लेकिन इन दिनों जमानत लेकर दोनों पिता पुत्र घर पर हैं। बृहस्पतिवार की सुबह तेज प्रताप परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर अपना ट्रैक्टर लाने ले जाने के लिए खेत में रास्ता बना रहा था। इसी बात को लेकर प्रवीण सिंह से विवाद हुआ और उसने वहां पहुंचकर गोली चला दी।

अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने बताया कि दोनों परिवारों के बीच पुराना विवाद चलता है। बृहस्पतिवार को तेज प्रताप सिंह वाहन ले जाने के लिए रास्ता बना रहा था। इसी बात को लेकर प्रवीण सिंह से विवाद हुआ और उसने लाइसेंसी पिस्तौल से गोली मार दी।

जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक में राशन वितरण व्यवस्था एवं अंत्योदय कार्डों की हुई समीक्षा

मऊ, 25 जून (देवव्रत संवाद)। अपर जिलाधिकारी प्रवेंद्र कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राशन कार्डों की स्थिति, अन्नपूर्णा भवन निर्माण तथा निलंबित उचित दर दुकानों की समीक्षा की गई।

इस दौरान जिला पूर्ति अधिकारी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि फरवरी माह से अब तक जनपद में 447 नए अंत्योदय राशन कार्ड तथा 13,248 नए पात्र गृहस्थी राशन कार्ड जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि राशन कार्डधारकों की आधार सीडिंग का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो चुका है तथा जनपद की सभी उचित दर दुकानों पर ई-पॉस मशीनों के माध्यम से राशन वितरण किया जा रहा है।

जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 1020 उचित दर की दुकानें संचालित हैं, जिनमें 243 दुकानें नगरीय क्षेत्रों में स्थित हैं। उन्होंने बताया कि तहसील स्तर पर सतर्कता समितियों का गठन किया जाता है तथा प्रत्येक तीन

माह में कम से कम एक बैठक आयोजित किया जाना अनिवार्य है। इस पर अपर जिलाधिकारी ने सभी पूर्ति निरीक्षकों को संबंधित उप जिलाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर नियमित रूप से तहसील स्तरीय सतर्कता समिति की बैठकें कराने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया कि जनपद की 55 उचित दर दुकानें स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संचालित की जा रही हैं। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 25 अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित है, जिनमें से 10 से अधिक भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष निमार्णाधीन हैं।

समिति के नामित सदस्य एवं नगर पंचायत घोसी के अध्यक्ष मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने नए अंत्योदय कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में नियमों के संबंध में चर्चा की। इस पर जिला पूर्ति अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के उपरांत ही नए अंत्योदय कार्ड जारी किए जाते हैं। समिति की सदस्य पुष्प कला सिंह ने अपात्र व्यक्तियों के नाम अंत्योदय सूची में होने तथा पात्र लोगों को लाभ न मिलने का मुद्दा उठाया। इस पर जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि अपात्र लाभार्थियों का नाम हटाने एवं पात्र व्यक्तियों को शामिल करने के लिए भी ग्राम पंचायत का प्रस्ताव आवश्यक है।

निलंबित उचित दर दुकानों की समीक्षा करते हुए अपर जिलाधिकारी प्रवेंद्र कुमार ने निर्देश दिए कि सभी लंबित जांचों को शीघ्र पूर्ण कर नियमानुसार दुकानों का समायोजन एवं आवंटन किया जाए, जिससे उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि जनपद में वर्तमान में 56,594 अंत्योदय राशन कार्ड तथा 3,26,662 पात्र गृहस्थी राशन कार्ड सक्रिय हैं। सभी राशन कार्डों के मुखियाओं की आधार सीडिंग शत-प्रतिशत पूर्ण है तथा कुल 16,17,563 यूनिटें राशन वितरण प्रणाली से आच्छादित हैं। बैठक में समस्त पूर्ति निरीक्षक, जिला पूर्ति कार्यालय के कर्मचारी, नामित सदस्य मुन्ना प्रसाद गुप्ता, सूर्यभान सिंह, समाजसेवी पुष्प कला सिंह, प्रभारी डीपीओ रंजीत कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी ने किया घोसी सीएचसी का औचक निरीक्षण, सफाई व्यवस्था पर जताई नाराजगी

घोसी (मऊ), 25 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष एवं उपमंत्री स्तर की पदाधिकारी चारु चौधरी ने बुधवार देर शाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोसी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उनके अचानक पहुंचने से अस्पताल प्रशासन और चिकित्सकों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर, वार्डों तथा शौचालयों का जायजा लिया। शौचालयों में गंदगी और सफाई व्यवस्था की खराब स्थिति देखकर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताई। उस समय कोई चिकित्सक मौके पर मौजूद नहीं मिला। कुछ देर बाद डॉ. अनिल कुमार पहुंचे, जिन्होंने बताया कि लगातार 24 घंटे की ड्यूटी के कारण वह विश्राम कर रहे थे। अस्पताल प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई कि सीएचसी अधीक्षक डॉ. एच.के. पंकज तथा डॉ. सूरज प्रसाद अवकाश पर थे, जबकि अन्य चिकित्सकों का ओपीडी समय समाप्त हो चुका था। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि लगभग 70 कर्मचारियों वाले अस्पताल में केवल एक सफाईकर्मी कार्यरत है। चिकित्सकों ने बताया कि सीएचसी में महिलाओं के सामान्य प्रसव की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन सर्जन और महिला रोग विशेषज्ञ के अभाव में जटिल मामलों का उपचार नहीं हो पाता। रेडियोलॉजिस्ट न होने के कारण अल्ट्रासाउंड सेवा भी प्रभावित है। इस पर चिकित्सकों ने बताया कि सप्ताह में चार दिन बाहर से सर्जन बुलाकर ऑपरेशन किए जाते हैं। उपाध्यक्ष ने इस संबंध में स्पष्ट सूचना बोर्ड लगाने और मरीजों को सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के अंत में श्रीमती चारु चौधरी ने अस्पताल की कार्यप्रणाली में सुधार लाने तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की चेतावनी दी। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष प्रतीक जायसवाल, जिला मंत्री रविंद्र उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष नागेंद्र मद्धेशिया हाजीतुद्द, डॉ. अनिल कुमार, विनीत राय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

विनोद राय के क्षेत्रीय अध्यक्ष बनने पर कार्यकताओं में खुशी

दोहरीघाट (मऊ), 25 जून (देवव्रत संवाद)। भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व में मऊ जिले के प्रभारी रहे आजमगढ़ जनपद लालगंज तहसील जीयली गांव के निवासी विनोद राय को भाजपा गोरखपुर क्षेत्र का क्षेत्रीय अध्यक्ष बनने की खबर लगते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने कस्बा स्थित जनसंपर्क कार्यालय पर एकत्र होकर उनके चित्र पर तिलक लगाकर और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर कार्यकर्ताओं ने उनके यशस्वी जीवन की कामना कर खुशी का इजहार किया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष हिमांशु राय ने कहा कि विनोद राय जैसे संगठन की धारा से निकले जमीनी कार्यकर्ता को गोरखपुर भाजपा का क्षेत्र अध्यक्ष बनाकर संगठन ने बहुत ही सराहनीय निर्णय लिया है। मालूम हो कि पूर्व में विनोद राय आजमगढ़ जनपद के जिला अध्यक्ष दो बार गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सहित मऊ जनपद के भाजपा जिले संगठन के प्रभारी भी रह चुके हैं उनके मनोनयन से पार्टी और संगठन को बहुत ही मजबूती मिलेगी इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व जिला उपाध्यक्ष संतोष राय हेमंत कुमार विकास वर्मा सुरेंद्र गुप्ता शैलेश प्रताप राय राजू कन्नौजिया संजय चौहान नवीन पटवा आदि लोग उपस्थित रहे।

जच्चा बच्चा की मौत, डाक्टर पर लापरवाही का आरोप लगा परिजनों ने किया सड़क जाम

घोसी (मऊ), 25 जून (देवव्रत संवाद)। घोसी कोतवाली क्षेत्र के नदवासराय बाजार स्थित एक निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान मां और नवजात बच्चे की मौत के बाद ग्रामीणों और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना से आक्रोशित लोगों ने सड़क पर उतरकर चक्का जाम कर दिया, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई।प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने नदवासराय के रेवरीडीह सम्बन्धित तथाकथित फातिमाअस्पताल को सील कर दिया। वही लोग चर्चा करते दिखे कि लोगों को भी सोच समझ कर अपने मरीज को अस्पताल में भर्ती करना चाहिए। जबकि सरकारी अस्पताल में तरह तरह की सुविधाएं उपलब्ध है। वही अवैध अस्पतालों के प्रति स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाही को लेकर भी खूब चर्चा है। वही कोतवाली पुलिस ने मृतिका के पति राजन चौहान की तहरीर पर अस्पताल संचालक शहीद, शकील के साथ अज्ञात महिला डाक्टर, अज्ञात सरकारी डाक्टर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार गंगुआबारी निवासी राजन की पत्नी को प्रसव के लिए रेवरीडीह नदवासराय स्थित तथाकथित फातिमाअस्पताल में भर्ती कराया गया।परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में इलाज के दौरान लापरवाही के चलते मां और बच्चे की जान चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। प्रशासन ने काफी मशक्कत के बाद लोगों का आक्रोश शांत कराने के साथ शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना के बाद अस्पताल के डॉक्टर और कुछ कर्मचारी मौके से फरार हो गए। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात कही जा रही है।फिलहाल प्रशासन मामले की जांच कर रहा है और घटना के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वही लोगों ने घोसी क्षेत्र में चल रहे अवैध प्राइवेट अस्पतालों पर सख्त कार्यवाही की मांग किया है।

बलिया में ट्रैक्टर की टक्कर से व्यक्ति की मौत

बलिया, 25 जून (देवव्रत संवाद)।बलिया के फेफना थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक ट्रैक्टर की टक्कर से 48 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना खोरी पाकड़ गांव के सामने हुई, जहां सड़क पार करते समय एक ट्रैक्टर ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।मृतक की पहचान शहर से सटे माल्देपुर गांव निवासी अविनाश कुमार (48) पुत्र स्वर्गीय डॉ. राजकिशोर प्रसाद के रूप में हुई है। अविनाश अपने परिवार के साथ खोरी पाकड़ गंगा घाट पर एक मुंडन संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम से लौटते समय मुख्य मार्ग पार करते वक्त यह हादसा हुआ।अविनाश को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। मृतक के छोटे भाई सोनू कुमार ने आरोप लगाया कि अस्पताल पहुंचने पर अविनाश की सांसें चल रही थीं, लेकिन ट्रामा सेंटर में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। उन्होंने दावा किया कि कर्मचारियों ने उन्हें इधर-उधर भेजा, जिससे उपचार में देरी हुई और इसी दौरान अविनाश कुमार की मौत हो गई।

फेफना में 10 केवीए ट्रांसफार्मर में लगी आग

बलिया, 25 जून (देवव्रत संवाद)।बलिया के फेफना थाना क्षेत्र के सिंहपुर गांव में गुरुवार शाम 10 केवीए का एक विद्युत ट्रांसफार्मर जल गया। सिंहपुर-पक्काकोट मार्ग पर स्थापित इस ट्रांसफार्मर में आग लगने से दर्जनों गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जिससे ग्रामीणों को अंधेरे और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई और देखते ही देखते वह धू-धू कर जलने लगा। सूचना मिलने पर विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा लिए जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों का आरोप है कि ट्रांसफार्मर पर उसकी क्षमता से कहीं अधिक भार था। लगभग दो दर्जन से अधिक उपभोक्ताओं को इसी ट्रांसफार्मर से बिजली मिलती है, जिसके कारण यह अक्सर खराब हो जाता है।ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने कई बार विभागीय अधिकारियों से ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने या नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की थी, लेकिन कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया।ट्रांसफार्मर जलने से पूरे इलाके की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नया ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया और क्षमता वृद्धि नहीं की गई, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।खेदन वर्मा सहित अन्य उपभोक्ताओं ने विद्युत विभाग से तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करने और स्थायी समाधान के लिए उच्च क्षमता वाला ट्रांसफार्मर स्थापित करने की मांग की है।

पुलिस मुठभेड़ में 25-25 हजार के दो इनामी लुटेरे गिरफ्तार, दोनों के पैर में लगी गोली

महिलाओं से लूट और छिनैती की कई वारदातों में थे वांछित

फूलपुर, 25 जून (देवव्रत संवाद)। महिलाओं से लूट और छिनैती की घटनाओं को अंजाम देकर क्षेत्र में दहशत फैलाने वाले 25–25 हजार रुपये के दो इनामी बदमाशों को थाना फूलपुर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें घायल अवस्था में उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। आरोपियों के कब्जे से हथियार और बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान समीर पुत्र अफसर निवासी सहजेरपुर तथा शिव कुमार राजभर उर्फ लाला पुत्र लल्लू राजभर निवासी चकबहार, थाना फूलपुर के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों पर फूलपुर और सरायमीर थाना क्षेत्रों में हुई लूट और छिनैती की घटनाओं के संबंध में 25–25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार 24 और 25 जून की मध्यरात्रि मुखबिर से सूचना मिली कि दोनों इनामी बदमाश बिना नंबर प्लेट की केटीएम मोटरसाइकिल से भुड़िया ईदगाह के पास किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में मौजूद हैं। सूचना मिलते ही पुलिस

टीम ने क्षेत्र की घेराबंदी कर संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। खुद को घिरता देख बदमाशों ने भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार बदमाशों द्वारा की गई फायरिंग में पुलिस वाहन की हेडलाइट क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने पहले दोनों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन जब वे लगातार गोलीबारी करते रहे तो आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की गई। इस दौरान दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी और उन्हें मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने 17 जून को फूलपुर–दुर्वासा मार्ग पर एक महिला से पर्स लूटने तथा 14 जून को सरायमीर क्षेत्र में एक महिला से छिनैती की घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। इसके अलावा उन्होंने माहुल, पवई और आसपास के क्षेत्रों में मोबाइल छिनैती एवं अन्य आपराधिक घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता कबूल की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों के आपराधिक इतिहास की विस्तृत जांच की जा रही है और उनसे पूछताछ के आधार पर अन्य घटनाओं का भी खुलासा हो सकता है। क्षेत्र में लगातार हो रही लूट और छिनैती की घटनाओं के खुलासे के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है।

सर्पदंश से वृद्धा की मौत

बिन्द्राबाजार, 25 जून (देवव्रत संवाद)। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के लुहसा मुबारकपुर गांव में सर्पदंश से एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लुहसा मुबारकपुर निवासी सोनवरसी बिंद (76 वर्ष) पत्नी स्वर्गीय तिलकू बिंद बुधवार रात भोजन करने के बाद सोने चली गई थीं। देर रात उनकी नींद खुली और वह आंख में डालने वाली दवा (आई ड्रॉप) खोजने लगीं। इसी दौरान उन्हें किसी जहरीले सर्प ने काट लिया। परिजनों को घटना की जानकारी होने पर तत्काल उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। गुरुवार सुबह परिजनों ने घटना की सूचना गंभीरपुर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका अपने पीछे दो पुत्रों का परिवार छोड़ गई हैं। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। मृतका के पुत्र बाबूराम बिंद ने गंभीरपुर थाने में तहरीर दी है। थाना प्रभारी अमित त्रिपाठी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों की स्पष्ट पुष्टि हो सकेगी।

जमीनी विवाद ने लिया हिंसक रूप, महिलाओं से मारपीट का वीडियो वायरल

अतरौलिया, 25 जून (देवव्रत संवाद)। थाना क्षेत्र के जमीन अगया गांव में जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुए विवाद में दो महिलाएं और एक युवक घायल हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता शशिकला चौबे पत्नी धर्मेंद्र चौबे ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि बुधवार दोपहर करीब दो बजे पुरानी जमीनी रंजिश को लेकर रामप्रसाद चौबे, उनके पुत्र चंदन, रोशन और अंकित लाठी–डंडा, कुल्हाड़ी तथा अन्य हथियारों के साथ उनके घर पहुंचे।

आरोप है कि आरोपियों ने घर का ताला तोड़कर कब्जा करने का प्रयास किया। विरोध करने पर महिलाओं के साथ मारपीट की गई। मारपीट के दौरान बीच–बचाव करने पहुंचीं संतरा देवी पत्नी सुरेंद्र प्रसाद भी घायल हो गईं। परिजनों का आरोप है कि उनके सिर पर वार किया गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। पीड़ित पक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि हमलावरों ने संतरा देवी के गले से मंगलसूत्र और पैरों से पायल छीन ली। पीड़ित पक्ष के इंद्रजीत चौबे ने बताया कि विवादित मकान की रजिस्ट्री वर्ष 2024 में उनके पक्ष में हुई थी और वे लंबे समय से उस पर काबिज हैं। उनका आरोप है कि विपक्षी पक्ष ने कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दूसरी रजिस्ट्री कराकर मकान पर कब्जा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि घटना के समय घर के पुरुष सदस्य बाहर थे, जिसका फायदा उठाकर आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग घर का ताला तोड़ते और मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। थानाध्यक्ष देवेंद्र नाथ दुबे ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है। फिलहाल गांव में स्थिति सामान्य बनी हुई है।

विनोद राय बने भाजपा गोरखपुर क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय को मिली प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी

आजमगढ़, 25 जून (देवव्रत संवाद)। भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक जिम्मेदारियों में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए विनोद राय को गोरखपुर क्षेत्र का क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं सहजानंद राय को प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विनोद राय की नियुक्ति की सूचना मिलते ही उनके गृह क्षेत्र बरदह के जीवली गांव तथा आसपास के क्षेत्रों में खुशी का माहौल देखने को मिला।

बड़ी संख्या में समर्थक, कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक उनके आवास पहुंचे और माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। लोगों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए संगठन को और मजबूत बनाने की शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि विनोद राय के नेतृत्व में भाजपा संगठन को गोरखपुर क्षेत्र में और मजबूती मिलेगी। गौरतलब है कि विनोद राय पूर्व में भाजपा के जिलाध्यक्ष के रूप में भी संगठनात्मक दायित्व निभा चुके हैं। वहीं सहजानंद राय को प्रदेश मंत्री बनाए जाने से जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं में भी उत्साह का माहौल है। स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं की नियुक्ति को संगठन के लिए महत्वपूर्ण निर्णय बताते हुए शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

लंबित मांगों को लेकर बीएसएनएलकर्मियों ने किया प्रदर्शन

आजमगढ़, 25 जून (देवव्रत संवाद)। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध यूनियनों एवं एसोसिएशनों के संयुक्त मंच भारतीय दूरसंचार मंच (BDM) के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत गुरुवार को बीएसएनएल कार्यालय, आजमगढ़ में अधिकारियों और कर्मचारियों ने भोजनावकाश के दौरान लंच आवर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के माध्यम से बीएसएनएल के अस्तित्व, पुनरुद्धार तथा अधिकारियों, कर्मचारियों और पेंशनरों की मांगों के शीघ्र समाधान की मांग उठाई गई।

प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने 3rd PRC लागू करो', BSNL बचाओ देश बचाओ और One Company One Policy लागू करो जैसे नारों के साथ बैनर एवं पोस्टर प्रदर्शित किए। वक्ताओं ने कहा कि बीएसएनएल देश की सामरिक दूरसंचार आवश्यकताओं, ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में संचार सेवाओं की उपलब्धता तथा स्वदेशी 4जी/5जी तकनीक के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसलिए कंपनी के सुदृढ़ीकरण और कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार को शीघ्र कदम उठाने चाहिए। एआईजीईटीओए (AIGETOA) के जिला सचिव पी.एन. सिंह एवं जिला अध्यक्ष अभिनव द्विवेदी ने कहा कि बीएसएनएल के पुनरुद्धार के साथ–साथ कर्मचारियों और पेंशनरों के हितों की रक्षा भी आवश्यक है। उन्होंने तृतीय वेतन संशोधन समिति (3rd PRC) की संस्तुतियों को वहनीयता की शर्त से मुक्त कर तत्काल लागू करने, बीएसएनएल एवं एमटीएनएल पेंशनरों की पेंशन संशोधन संबंधी लंबित मामलों का निस्तारण करने तथा द्वितीय वेतन संशोधन (2nd PRC) से जुड़े लंबित प्रकरणों के समाधान की मांग की।वक्ताओं ने वन कंपनी वन पॉलिसी लागू कर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करने, समयबद्ध पदोन्नति, वरिष्ठता विवादों के निस्तारण तथा मानव संसाधन (HR) से जुड़े लंबित मामलों के शीघ्र समाधान पर भी जोर दिया। साथ ही बीएसएनएल में नियमित सीएमडी की नियुक्ति एवं कंपनी के पुनरुद्धार के लिए आवश्यक नीतिगत निर्णय तत्काल लेने की मांग की गई। इस अवसर पर वैष्णव सिंह, आर.बी. मिश्रा, संदीप भारती तथा बीएसएनएलईयू के सहायक महासचिव आनंद कुमार सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने केंद्र सरकार से बीएसएनएल को एक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं प्रतिस्पर्धी सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी के रूप में विकसित करने तथा कर्मचारियों की जायज मांगों को शीघ्र स्वीकार करने का आग्रह किया।

सोशल मीडिया पर तमंचे की रील बनाकर रौब झाड़ना पड़ा महंगा, युवक गिरफ्तार

आजमगढ़, 25 जून (देवव्रत संवाद)। सोशल मीडिया पर तमंचा और कट्टा प्रदर्शित कर रील वायरल करने वाले एक युवक के खिलाफ कंधरापुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई जनपद में चलाए जा रहे "ऑपरेशन वज्रपात" अभियान के तहत की गई, जिसका उद्देश्य सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन, गैंग संस्कृति और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में चल रहे अभियान के दौरान पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की निगरानी कर रही थी। इसी क्रम में पता चला कि कुछ युवक फेसबुक और इंस्टाग्राम पर हथियारों के साथ फोटो और वीडियो पोस्ट कर क्षेत्र में दहशत का माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जांच में सामने आया कि रवि चौबे उर्फ प्रतीक चौबे (21 वर्ष) निवासी नाथुपुर, थाना कंधरापुर, अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तमंचा और कट्टा प्रदर्शित करते हुए रील

और फोटो पोस्ट कर रहा था। पुलिस ने युवक को चिन्हित कर शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद युवक की थाना परिसर में उसके अभिभावकों की उपस्थिति में काउंसलिंग की गई। पुलिस अधिकारियों ने उसे कानून व्यवस्था, यातायात नियमों तथा सोशल मीडिया के दुरुपयोग से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी। साथ ही अभिभावकों से बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने और उन्हें सकारात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करने की अपील की गई।

आशा बहू चयन में अनियमितता का आरोप

आजमगढ़, 25 जून (देवव्रत संवाद)। विकास

खंड मार्टिनगंज के ग्राम सभा नोनारी में आशा बहू के चयन को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। मामले में जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर चयन प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता एवं आशा बहू संगीता का आरोप है कि पूर्व प्रभारी चिकित्साधिकारी, बीसीपीएम तथा ग्राम प्रधान की मिलीभगत से बिना किसी खुली बैठक के गुप्त एवं अवैध तरीके से चयन प्रस्ताव तैयार कर संबंधित विभाग को भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता चयन की निर्धारित प्रक्रिया और शासनादेश का पालन नहीं किया गया। शिकायत के अनुसार, प्रभारी चिकित्साधिकारी मार्टिनगंज द्वारा आशा चयन के लिए अक्टूबर 2025 में पत्र जारी किया गया था, जबकि ग्राम प्रधान की ओर से जून 2025 की पूर्व तिथि में ही चयन प्रस्ताव तैयार कर लिया गया। आरोप है कि पात्र अभ्यर्थियों की उपेक्षा करते हुए धनबल और प्रभाव के आधार पर अपात्र लोगों का चयन किया गया। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि आबादी के निर्धारित मानकों की अनदेखी कर एक ही पूर्वे में तीन आशा कार्यकर्ताओं का चयन कर लिया गया, जबकि अधिक आबादी वाले अन्य क्षेत्रों को चयन प्रक्रिया से बाहर रखा गया। इससे चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर चयन प्रक्रिया को निरस्त करने तथा दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस अवसर पर उर्मिला, वंदना, माधुरी सहित कई आशा बहुएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

जांच के दौरान लेखपाल से अभद्रता सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप

दीदारगंज थाने में मुकदमा दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

दीदारगंज, 25 जून (देवव्रत संवाद)। तहसील दिवस से संबंधित एक शिकायत की जांच के दौरान लेखपाल के साथ अभद्रता, गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना के संबंध में लेखपाल की तहरीर पर दीदारगंज थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामला प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, सरैया खुर्द निवासी कैलाश बिंद, जो वर्तमान में तहसील फूलपुर के बीबीगंज लेखपाल मंडल में तैनात हैं, को 18 जून 2026 को तहसील दिवस में प्राप्त एक शिकायत की स्थलीय जांच के लिए ग्राम हंसापुर भेजा गया था। लेखपाल के अनुसार वह मौके पर पहुंचकर शिकायत से जुड़े तथ्यों का निरीक्षण कर रहे थे, तभी गांव निवासी अबुजर पुत्र इजहारूल हक वहां पहुंच गया। लेखपाल का आरोप है कि जांच के दौरान आरोपी ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया, गाली–गलौज की तथा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की। साथ ही जान–माल की धमकी भी दी। उनका कहना है कि आरोपी के व्यवहार के कारण वह जांच प्रक्रिया पूरी नहीं कर सके, जिससे तहसील दिवस में प्राप्त शिकायत के समयबद्ध निस्तारण पर असर पड़ा। कैलाश बिंद ने अपनी तहरीर में कहा है कि सरकारी कर्मचारी के साथ इस प्रकार का व्यवहार कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है तथा इससे प्रशासनिक कार्य प्रभावित होते हैं। उन्होंने आरोपी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, धमकी देने और अन्य संबंधित धाराओं में कार्रवाई की मांग की। थानाध्यक्ष जयप्रकाश यादव ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस आवश्यक साक्ष्य जुटाकर आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

तीन साइबर ठगी पीड़ितों को मिली राहत पुलिस ने वापस कराया 15,450 रूपये

अहरौला, 25 जून (देवव्रत संवाद)। अहरौला पुलिस और साइबर टीम की सक्रिय कार्रवाई से साइबर ठगी के तीन अलग–अलग मामलों में पीड़ितों को कुल ₹15,450 की धनराशि वापस कराई गई। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, ग्राम बस्ती भुजवल, थाना अहरौला निवासी कमलेश निषाद के खाते से 16 अगस्त 2025 को साइबर ठगों ने ₹6,000 निकाल लिए थे। एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज होने के बाद साइबर टीम ने कार्रवाई करते हुए पूरी धनराशि वापस कराई। वही पूरबपट्टी निवासी राजकुमार मौर्य के साथ 25 मार्च 2026 को साइबर ठगी हुई थी। शिकायत के आधार पर साइबर टीम ने बैंक खाते को होल्ड कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ₹4,000 की पूरी राशि वापस कराई। 18 जून 2025 को अहरौला क्षेत्र निवासी संदीप यादव के खाते से ₹5,450 की ठगी हुई थी। एनसीआरपी शिकायत के बाद साइबर टीम ने एमआरएम पोर्टल के माध्यम से प्रभावी पैरवी कर पूरी रकम वापस कराई।

तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का वार्षिक कार्यक्रम जारी

आजमगढ़, 25 जून (देवव्रत संवाद)। जनपद के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने जुलाई से दिसंबर 2026 तक आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस का वार्षिक चक्रानुक्रम कार्यक्रम जारी कर दिया है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया जाएगा। यदि निर्धारित तिथि पर सार्वजनिक अवकाश होगा तो कार्यक्रम अगले कार्य दिवस पर आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 4 जुलाई को बूढ़नपुर, 18 जुलाई को मेहनगर, 1 अगस्त को सगड़ी, 15 अगस्त को लालगंज, 5 सितंबर को फूलपुर, 19 सितंबर को निजामाबाद, 3 अक्टूबर को सदर, 17 अक्टूबर को मार्टिनगंज, 7 नवंबर को फूलपुर, 21 नवंबर को निजामाबाद, 5 दिसंबर को सदर तथा 19 दिसंबर को मार्टिनगंज तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) तथा मुख्य राजस्व अधिकारी की अध्यक्षता में भी विभिन्न तहसीलों एवं कलेक्ट्रेट में समाधान दिवस आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में राजस्व, पुलिस, विकास, विद्युत, पेंशन, भूमि विवाद, जलापूर्ति एवं अन्य जनसमस्याओं से संबंधित शिकायतों की सुनवाई कर उनका निस्तारण किया जाएगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को त्वरित न्याय एवं राहत उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। प्रशासन का मानना है कि सम्पूर्ण समाधान दिवस के माध्यम से जनता की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर प्रभावी समाधान संभव हो सकेगा तथा लोगों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने से भी राहत मिलेगी।

लायंस क्लब प्रतिनिधिमंडल ने राज्य महिला आयोग अध्यक्ष बबीता चौहान से किया मुलाकात

सर्किट हाउस परिसर में पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

आजमगढ़, 25 जून (देवव्रत संवाद)। लायंस क्लब इंटरनेशनल आजमगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को केंद्रीय होम्योपैथी परिषद के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. भक्तवत्सल के नेतृत्व में सर्किट हाउस पहुंचकर राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री बबीता चौहान से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सरोकारों, पर्यावरण संरक्षण तथा जनपद के पारंपरिक उद्योगों के विकास जैसे विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम के अंत में सर्किट हाउस परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। बैठक के दौरान लायंस क्लब के अध्यक्ष ओम अग्रवाल ने बबीता चौहान को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। वहीं लायन अशोक कुमार श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष रवि जायसवाल और सचिव सुनील अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर संगठन के सदस्यों ने समाज सेवा से जुड़े विभिन्न कार्यों और आगामी योजनाओं की जानकारी भी दी।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने लायंस क्लब द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक संगठन समाज को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि लायंस क्लब भविष्य में भी जनकल्याण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। चर्चा के दौरान जनपद की पहचान बन चुके 'एक जनपद–एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत चयनित निजामाबाद की ब्लैक पॉटरी और मुबारकपुर के साड़ी उद्योग का विषय भी प्रमुखता से उठा। डॉ. भक्तवत्सल ने कहा कि इन दोनों उद्योगों ने आजमगढ़ को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा इन उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन इन्हें और अधिक प्रोत्साहन एवं सुविधाओं की आवश्यकता है। डॉ. भक्तवत्सल ने कहा कि लायंस क्लब हमेशा से सेवा कार्यों के लिए जाना जाता रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने, जरूरतमंदों की सहायता करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जैसे अभियानों में संगठन लगातार सक्रिय रहा है। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में पूरे जिले में व्यापक पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा।

लायंस क्लब के अध्यक्ष ओम अग्रवाल ने कहा कि संगठन का उद्देश्य स्वस्थ, स्वच्छ और समृद्ध समाज का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। लायन अशोक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा। कार्यक्रम के अंत में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान, विधान परिषद सदस्य उमेश द्विवेदी, डॉ. भक्तवत्सल, ओम अग्रवाल, रवि जायसवाल, सुनील अग्रवाल, शशिभूषण अग्रवाल, विजय श्रीवास्तव, रजनीश सिंह तथा डॉ. अनुतोष वत्सल सहित अन्य लोगों ने सर्किट हाउस परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।